Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 150
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

लखनऊ-सोमवार,29 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

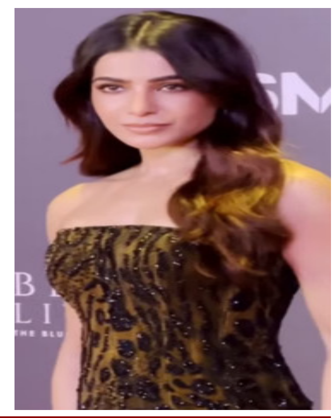

3 राशिकरण की कटौती के नए आदेश से पेंशनर्स में नाराजगी | 4 सोशल मीडिया का प्रेत! | 5 डेटिंग रूमर्स के बीच फिर साथ दिखे सामंथा-राज

बरेली बवाल : 24 घंटे में योगी का तीसरा अल्टीमेटम

दंगा किया तो जहन्नुम...गजवा-ए-हिंद पर दूंगा नरक का टिकट: सीएम

सीएम योगी आदित्यनाथ ने देवीपाटन मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद चना... गुड़ और रोटियां खिलाकर गोसेवा की। श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की। इस दौरान मंच से सीएम ने एक बार फिर दंगाइयों को खुले शब्दों में चेतावनी दी।

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बलरामपुर के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने बरेली बवाल पर 24 घंटे में तीसरी बार दंगाइयों को अल्टीमेटम दिया। कहा कि यूपी में अराजकता और दंगा करने वालों को जहन्नुम का टिकट दूंगा। गजवा-ए-हिंद की कल्पना पर नरक का टिकट मिलेगा। भारत में उन महान आत्माओं के आदर्श चलेंगे, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया। सीएम ने छांगुर को कहा कालनेमि राक्षस लोगों को संबोधित करते हुए सीएम ने एक बार फिर प्रदेश में अराजकता और दंगा फैलाने वालों को चेतावनी दी। कहा कि यूपी में ऐसा करने की हिम्मत की तो जहन्नुम का टिकट दूंगा। बरेली का हवाला देते हुए सबक लेने की नसीहत दी। उन्होंने छांगुर की कालनेमि राक्षस से तुलना करते हुए कहा कि विकास में बाधा डालने वाले राक्षसों का विनाश होगा। सपा और कांग्रेस के अराजकतत्वों से मिले होने की बात कही। भारत में नहीं चलेगा गजवा-ए-हिंद सीएम ने कहा कि कुछ लोग भारत में रहते हैं, लेकिन गजवा-ए-हिंद का नारा लगाकर देश के भीतर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं। भारत की धरती पर ये नहीं होगा। भारत की धरती महान आत्माओं की भूमि है। यहां उन महान आत्माओं के आदर्श चलेंगे, जिन्होंने राष्ट्र के लिए अपना बलिदान दिया है। गजवा-ए-हिंद की कल्पना करना, इसके बारे में सपना देखना भी नरक का टिकट बन जाएगा। जो लोग ऐसी गतिविधियों में लगे हैं, वे कान खोलकर सुन लें। देर-सवेर उनका भी हश्र छांगुर जैसा ही होगा। आस्था चौराहे पर दिखाने की चीज नहीं सीएम ने आगे कहा कि किसी को प्रदेश का माहौल खराब करने की इजाजत नहीं हैं। कुछ लोग नए हथकंडे अपना रहे हैं। लेकिन, उन्हें याद रखना चाहिए कि हम उनकी सोच से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्हें वैसे ही पीटा जाएगा जैसे बरेली में पीटा गया। ये मूर्ख यह भी नहीं जानते कि आस्था के प्रतीकों का सम्मान किया जाता है। आस्था कोई चौराहे पर दिखाने की चीज नहीं है। बच्चों की भी ज़िंदगी बर्बाद करने पर तुले कुछ लोग उन्होंने कहा कि कुछ लोग छोटे-छोटे बच्चों को 'आई लव मोहम्मद' के पोस्टर देकर समाज में अराजकता फैला रहे हैं। उन्हें यह एहसास भी नहीं कि उनकी अपनी ज़िंदगी तो बर्बाद हो ही चुकी है। अब वे इन बच्चों की ज़िंदगी भी बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। लेकिन, सरकार इस तरह की अराजकता को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, उसे पहले ही बता दिया जाएगा कि हम बिना पूछे उसे नरक का टिकट दे देंगे। इससे पहले सीएम ने रविवार की सुबह देवीपाटन मंदिर में मां पाटेश्वरी के दर्शन कर उनके पांव पखारे। इसके बाद आरती की। यहां से वह गोशाला पहुंचे। वहां पर गायों को चना... गुड़ और रोटियां खिलाकर गोसेवा की। इसके बाद मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत की। वह मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से मुलाकात करके बच्चों से भी मिले। बच्चों को टाफियां देकर उन्हें दुलार किया और खूब मन लगाकर पढ़ने को कहा। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी मंदिर गोरखपुर के महंत रवींद्र दास भी मौजूद रहे। बताते चलें कि सीएम शनिवार की रात यहां पहुंचे थे। उस समय मंदिर में दर्शन करके विश्राम को चले गए थे। उन्होंने रात्रि विश्राम यहीं मंदिर में ही किया था। 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं की दी सौगात मंदिर से निकलने के बाद सीएम धूधुलपुर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने सरकारी योजनाओं पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज का उद्घाटन किया। 2047 में विकसित भारत के लिए आम लोगों से सुझाव भी मांगे।

पीएम मोदी ने आरएसएस के 'राष्ट्र प्रथम' भाव को सराहा

100वीं वर्षगांठ से पहले दिया 'स्वदेशी' का मंत्र

नई दिल्ली : पीएम मोदी ने 'मन की बात' में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100वीं वर्षगांठ से पूर्व उसकी निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने आरएसएस की स्थापना केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा 1925 में बौद्धिक गुलामी से मुक्ति के उद्देश्य से किए जाने और एम.एस. गोलवलकर के योगदान को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 126वें संस्करण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निस्वार्थ सेवा और अनुशासन की भावना की खुलकर प्रशंसा की। यह संबोधन विजयादशमी पर आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने से कुछ दिन पहले आया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आरएसएस की असली ताकत उसकी त्याग, सेवा और अनुशासन की भावना है, और इसके स्वयंसेवकों के हर काम में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना सर्वोपरि रहती है। प्रधानमंत्री मोदी, जो स्वयं आरएसएस के प्रचारक रहे हैं, ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को बौद्धिक गुलामी से मुक्त कराने के उद्देश्य से 1925 में विजयादशमी के दिन आरएसएस की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि तब से आरएसएस की यात्रा प्रेरणादायक, उल्लेखनीय और अभूतपूर्व रही है। मोदी ने हेडगेवार के उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर की भी प्रशंसा की। उन्होंने गोलवलकर के कथन 'यह मेरा नहीं है, यह राष्ट्र का है' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संदेश ने लाखों स्वयंसेवकों को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश में कहीं भी प्राकृतिक आपदा आने पर आरएसएस के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचते हैं। पीएम स्वदेशी और 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर दिया प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और 'वोकल फॉर लोकल' को खरीदारी का मंत्र बनाने पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर खादी का कोई उत्पाद खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। जिसमें देश के किसी नागरिक की मेहनत है, उसी सामान का उपयोग करेंगे।' उन्होंने समझाया कि जब हम ऐसा करते हैं, तो हम किसी परिवार की उम्मीदों को जगाते हैं, कारीगर की मेहनत को सम्मान देते हैं, और युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं।

हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: भजनलाल शर्मा

राजस्थान । मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को कहा कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लोगों को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से ही देश-प्रदेश का विकास होगा। हमारी प्राथमिकता है कि कोई भी पात्र व्यक्ति केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे।

आधिकारिक बयान के अनुसाार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम सभी आस-पास के लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ें तथा सेवा पखवाड़ा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता से सांगानेर के विकास कार्यों को धरातल पर मूर्तरूप मिल रहा है।

कांकेर में सुरक्षाकर्मियों को मिली बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में मारे गए तीन नक्सली, गोलीबारी जारी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ कांकेर और गरियाबंद जिलों की सीमा पर स्थित एक वनक्षेत्र में हुई, जहां सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम सुबह नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में कांकेर और गरियाबंद से राज्य पुलिस की एक इकाई, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवान शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि अब भी रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से अब तक तीन नक्सलियों के शव और तीन हथियार बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सलियों में माओवादियों के एरिया

कमेटी के सदस्य भी शामिल हैं। हालिया कार्रवाई के साथ इस वर्ष छत्तीसगढ़ में अब तक मुठभेड़ की अलग-अलग घटनाओं में 252 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 223 नक्सली बस्तर संभाग में मार गिराए गए। बस्तर संभाग में कांकेर सहित सात जिले शामिल हैं, जबकि 27 गरियाबंद में मारे गए, जो रायपुर संभाग में आता है। दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो अन्य नक्सली मारे गए। पुलिस ने बताया कि 22 सितंबर को नक्सलियों के दो शीर्ष कैडर राजू दादा उर्फ कट्टा रामचंद्र रेड्डी (63) और कोसा दादा उर्फ कदारी सत्यनारायण रेड्डी (67) नारायणपुर जिले में एक मुठभेड़ में मारे गए। दोनों प्रतिबंधित संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय समिति के सदस्य थे।

तेजस्वी ने नीतीश की हालिया घोषणाओं पर उठाए सवाल

सरकार बताए कहां से आएगी इनके लिए राशि

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए यादव ने आरोप लगाया, राज्य में इंजीनियरों के यहां से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि यह राशि ऊपर तक पहुंचती है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार की बजट तथा हालिया घोषणाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता को गुमराह कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने राजद कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दावा किया, पिछले कुछ समय

में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुल मिलाकर 7.08 लाख करोड़ रुपये से अधिक की घोषणाएं कर चुके हैं, जबकि राज्य की वित्तीय स्थिति इतनी बड़ी योजनाओं को संभालने में सक्षम नहीं है। उन्होंने दावा किया, बिहार का कुल बजट लगभग 3.16 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें से करीब दो लाख करोड़ रुपये वेतन, पेंशन और ब्याज जैसे प्रतिबद्ध मद में ही खर्च हो जाते हैं। इससे सरकार के पास योजनाओं और विकास कार्यों के लिए केवल लगभग 1.16 लाख करोड़ रुपये बचते हैं। ऐसे में ये घोषणाएं केवल जनता को भ्रमित करने और चुनावी माहौल बनाने का तरीका हैं। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया, आखिर राज्य का राजस्व कैसे बढ़ेगा, राशि कहां से आएगी और घोषणाएं धरातल पर कब पूरी होंगी। तेजस्वी ने महिलाओं को 10 हजार रुपये की राशि देने की राज्य सरकार की योजना पर भी सवाल उठाया। उन्होंने तंज कसा कि नीतीश कुमार एक रुपया देकर बिहार का वर्तमान और भविष्य खरीदना चाहते हैं, लेकिन इस बार जनता उन्हें हटाएगी भी और हराएगी भी। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी सरकार को घेरते हुए यादव ने आरोप लगाया, राज्य में इंजीनियरों के यहां से करोड़ों रुपये बरामद होते हैं, लेकिन सरकार कोई कार्रवाई नहीं करती क्योंकि यह राशि ऊपर तक पहुंचती है।

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख के लोग और संस्कृति: राहुल

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर हमला करते हुए रविवार को कहा कि लद्दाख के लोग, परंपरा और संस्कृति इनके निशाने पर हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की संस्कृति और परंपराओं पर भाजपा और आरएसएस हमला कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों के मारे जाने को 'हत्या' करार देते हुए कहा कि सोच समझकर लद्दाख की संस्कृति, परंपरा और वहां के लोगों की 'हत्या' की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज दबाई जा रही है इसलिए ही सोनम वांग्चुक को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है। भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख : राहुल लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख के अद्भुत लोग, उनकी संस्कृति और परंपराएं भाजपा और आरएसएस के हमले की चपेट में हैं। लद्दाख के लोगों ने अपनी आवाज उठाई। भाजपा ने जवाब में चार युवाओं को गोली मार दी और सोनम वांगचुक को जेल में डाल दिया। हत्या बंद करो, हिंसा बंद करो, डराना-धमकाना बंद करो। उन्होंने आगे कहा, लद्दाख को आवाज दो। उन्हें छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। उनकी यह टिप्पणी पिछले दिनों लेह में हुई हिंसा के बाद आई है। जिसमें सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित लेह में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लागू रहा। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने पर फैसला लेने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं। राज्य का दर्जा और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान बुधवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। शनिवार को लेह में चार घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी गई।

लेह में पांचवें दिन भी कर्फ्यू, स्थिति की समीक्षा के लिए उपराज्यपाल की बैठक

लेह। हिंसा से प्रभावित लेह शहर में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लागू रहा। उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता आज स्थिति का जायजा लेने और कर्फ्यू में ढील देने के संबंध में निर्णय लेने के लिए एक समीक्षा बैठक करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी साझा की। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा आयोजित बंद के दौरान हुए व्यापक प्रदर्शनों के बाद बुधवार शाम को कर्फ्यू लागू किया गया था। शनिवार को पहली बार चार घंटे के लिए कर्फ्यू में चरणबद्ध ढील दी गई, जो शांतिपूर्ण रही। बुधवार को हुई हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए। दंगों में शामिल होने के आरोप में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया और उन्हें राजस्थान के जोधपुर जेल में रखा गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, स्थिति नियंत्रण में है और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं मिली है। उपराज्यपाल आज राजभवन में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे और कर्फ्यू में ढील देने पर फैसला लिया जाएगा ।लेह में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित रहीं, जबकि करगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अन्य हिस्सों में पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लागू रहे। कर्फ्यू वाले क्षेत्रों में पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान दंगा-नियंत्रण उपकरणों के साथ तैनात रहे। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के जवान भी रविवार सुबह फ्लैग मार्च करते दिखे। हिंसा में मारे गए दो लोगों का अंतिम संस्कार आज होगा ।लेह हिंसा के बाद दर्ज प्राथमिकी में दो कांग्रेस पार्षदों सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं, जिन्होंने शनिवार को स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण किया। लद्दाख बार एसोसिएशन, लेह के अध्यक्ष मोहम्मद शफी लस्सू ने बताया कि दोनों पार्षदोंकृस्मानला दोरजे नूरबो और फुत्सोग स्टैनजिन त्सेपाककृके साथ लद्दाख बौद्ध एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सविन रिगजिन और गांव के नंबरदार रिगजिन दोरजे को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने केवल इन चार लोगों की हिरासत मांगी, जबकि अन्य को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। हिरासत में लिए गए लोगों में लेह एपेक्स बॉडी और लद्दाख बौद्ध एसोसिएशन के युवा नेता व छात्र भी शामिल हैं।

संछिप्त खबरे

अमृतसर में पुलिस-आतंकियों के बीच मुठभेड़, 2 गिरफ्तार

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में पुलिस और खालिस्तानी आतंकियों की मुठभेड़ हो गया। इन आतंकियों ने दीवारों और ट्रेनों पर खालिस्तानी नारे लिखे थे। पुलिस उन्हें पकड़ने पहुंची तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग शुरू कर दी। जिससे एक आतंकी के पैर में गोली लग गई। जिसके बाद वह और उसका साथी पकड़ा गया। दोनों आतंकी सिख फॉर जस्टिस के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू से जुड़े हुए थे। पुलिस ने दोनों आतंकियों को अस्पताल में भर्ती कराया है। उनसे पूछताछ के बाद उनके 2 और साथियों को गिरफ्तार किया गया है ।अमृतसर की कमिश्नरेट पुलिस ने जानकारी दी कि आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकआई) से जुड़े चार सक्रिय आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग 17 अगस्त की रात दीवारों और ट्रेनों पर भड़काऊ नारे लिख रहे थे। जांच में पता चला कि इन आरोपियों का संबंध बीकआई के ऑपरेटिव शमशेर शेरा, कुख्यात गैंगस्टर प्रभाव दासूवाल और अफरीदी तूत से था और ये उनके आदेश पर काम कर रहे थे। इसी दिन गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सोशल मीडिया पर ग्राफिटी वाली वीडियो पोस्ट कर इसकी जिम्मेदारी ली थी। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने अमृतसर में ग्राफिटी पेंटिंग करने की बात मान ली।

उज्जैन में टीम इंडिया की जीत के लिए विशेष पूजन

उज्जैन । दुबई में रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप फाइनल से पहले देशभर में भारतीय टीम की जीत के लिए प्रार्थनाओं का दौर शुरू हो गया। उज्जैन में आस्था और क्रिकेट प्रेम का अनूठा संगम देखने को मिला, जहां महामंडलेश्वर ने टीम इंडिया की जीत के लिए विशेष अनुष्ठान किए। उज्जैन के प्रसिद्ध अर्जी वाले हनुमान मंदिर में भक्तों ने बजरंगबली से प्रार्थना की कि वे भारतीय खिलाड़ियों को शक्ति दें ताकि वे पाकिस्तान को हरा सकें। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद पुरी ने भारत की जीत के लिए विशेष पूजन और हवन-पाठ का आयोजन किया। उन्होंने टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों के नाम की पर्चियां शिवलिंग पर चिपकाकर उनकी सफलता की कामना की। महामंडलेश्वर ने कहा, बाबा महाकाल का आशीर्वाद हमेशा भारत के साथ रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि टीम इंडिया यह ऐतिहासिक फाइनल जीतकर देश को गौरवान्वित करेगी। इस अवसर पर हजारों भक्त मौजूद थे, जिन्होंने देश की जीत और भारतीय खिलाड़ियों की सफलता के लिए विशेष प्रार्थनाएं कीं। यह कार्यक्रम दशार्ता है कि कैसे क्रिकेट और आस्था मिलकर लोगों में उत्साह और जोश पैदा करते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म किया था मौलाना, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सहारनपुर। पुलिस ने एक नाबालिग से दुकर्म करने के आरोप में एक मौलवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) व्योम बिंदल ने बताया कि थाना सदर बाजार पुलिस ने वेद विहार कालोनी निवासी आरोपी मौलवी अनीस को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि आरोपी मौलवी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार किशोरी के परिजनों ने सदर बाजार थाने में वेद विहार कालोनी निवासी मौलवी अनीस के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज करायी थी। पुलिस के अनुसार अनीस पर 15 वर्षीय एक किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है, जिससे किशोरी गर्भवती हो गई। पुलिस के अनुसार परिजनों को इसका पता करीब चार महीने बाद चला जिसके बाद एक प्राथमिकी दर्ज करायी गई।

पूर्वोत्तर रेलवे को मिली पहली अमृत भारत ट्रेन

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे की पहली अमृत भारत एक्सप्रेस का 29 सितम्बर,2025 को उप मुख्यमंत्री, बिहार श्री सम्राट चौधरी 05133 छपरा-दिल्ली (आनन्द विहार टर्मिनल) उद्घाटन विशेष गाड़ी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करेंगे। इसके अतिरिक्त 29 सितम्बर,2025 को ही 05587 दरभंगा-मदार (अजमेर) अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ी चलाई जाएगी। ये गैर-वातानुकूलित श्रेणी की प्रीमियम ट्रेन हैं। उद्घाटन विशेष गाड़ियों का सम्भावित समय निम्नवत है। 29 सितम्बर, 2025 सोमवार को चलने वाली 05133 छपरा-आनन्द विहार टर्मिनल उद्घाटन विशेष गाड़ी छपरा से 11.00 बजे प्रस्थान कर सीवान से 12.00 बजे, थावे से 12.35 बजे, तमकुही रोड से 13.07 बजे, पडरौना से 13.47 बजे, कप्तानगंज से 14.20 बजे, गोरखपुर से 15.30 बजे, खलीलाबाद से 16.07 बजे, बस्ती से 16.50 बजे, बभनान से 17.17 बजे, मनकापुर से 18.00 बजे, गोंडा से 18.40 बजे, बाराबंकी से 20.05 बजे बादशाहनगर से 21.07 बजे, ऐशबाग से 21.50 बजे, कानपुर सेंट्रल से 23.45 बजे तथा दूसरे दिन इटावा से 01.47 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 08.00 बजे पहुँचेगी। 05587 दरभंगा-मदार उद्घाटन विशेष गाड़ी 29 सितम्बर,2025 सोमवार को दरभंगा से 11.00 बजे प्रस्थान कर कमतौल से 11.35 बजे, जनकपुर रोड से 12.05 बजे, सीतामढ़ी से 12.45 बजे, बैरगनिया से 13.20 बजे, रक्सौल से 14.15 बजे, सिकटा से 14.45, बजे, नरकटियागंज से 15.35 बजे, बगहा से 16.40 बजे, सिसवा बाजार से 18.27 बजे, कप्तानगंज से 19.10 बजे, गोरखपुर से 20.20 बजे, बस्ती से 21.42 बजे, मनकापुर से 22.30 बजे, गोंडा से 22.52 बजे, दूसरे दिन बाराबंकी से 00.35 बजे, गोमतीनगर से 01.35 बजे, बादशाहनगर से 01.52 बजे, ऐशबाग से 02.35 बजे, उन्नाव से 04.07 बजे, कानपुर सेंट्रल से 04.50 बजे, फफूंद से 06.10 बजे, इटावा से 06.52 बजे, टूण्डला से 09.02 बजे, ईदगाह आगरा

जं. से 10.22 बजे, भरतपुर से 11.22 बजे, मण्डावर महुवा रोड से 12.32 बजे, बांदीकुई से 14.02 बजे, गांधीनगर जयपुर से 15.22 बजे, जयपुर से 15.55 बजे, किशनगढ़ से 17.37 बजे छूटकर मदार 18.30 बजे पहुँचेगी। इन अमृत भारत उद्घाटन विशेष गाड़ियों में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, पैंट्रीकार के 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। अमृत भारत एक्सप्रेस ने यात्रियों एवं विशेषकर मध्यम वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया है। वस्तुतः अमृत भारत एक्सप्रेस अमृत काल की एक विशेष सौगात है, जिसके माध्यम से आम लोगों को प्रति हजार किलोमीटर ?500 से कम किराए में ही गैर वातानुकूलित श्रेणी में विश्व स्तरीय यात्रा सुविधा प्रदान की जा रही हैं। भारतीय रेल के यात्रियों के लिए यह एक शानदार एवं विशिष्ट सुविधा है। अमृत भारत एक्सप्रेस एक ऐसी ट्रेन है, जो यात्रियों की अत्याधुनिक सुविधाओं और किफायती यात्रा की नई परिकल्पना का प्रतीक है। इस ट्रेन का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी डिजाइन और सुविधाएं हैं। यह स्वदेशी ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की भावना को और मजबूत करती है। इसकी पहचान तीन पहलुओं में निहित है झ यात्रियों हेतु उन्नत यात्रा सुविधा, ऊर्जा की बचत और पर्यावरण के प्रति सजगता। यही कारण है कि यह ट्रेन देश के बदलते स्वरूप की झलक पेश करती है। तकनीकी दृष्टि से भी अमृत भारत एक्सप्रेस अत्यंत सुरक्षित है। कवच सिस्टम से युक्त इस ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब और ईपी-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे आपात स्थिति में तुरंत ब्रेक लग सके। सभी कोच पूरी तरह से सील्ड गैंगवे और वैक्यूम एवैक्यूएशन सिस्टम से युक्त हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में फायर डिटेक्शन सिस्टम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जो यात्रियों की सुरक्षा की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। इसके अलावा टॉकबैक यूनिट और गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट सुरक्षा को और मजबूत बनाते हैं। यात्रा के दौरान आराम का विशेष ख्याल रखा गया है। ट्रेन में सेमी ऑटोमैटिक कपलर का उपयोग किया गया है, जिससे कोच जोड़ते या अलग करते समय झटका या शोर नहीं होता। डिफॉर्मेशन ट्यूब दुर्घटना की स्थिति में झटका कम कर देती है। पुशझ्रपुल तकनीक इसकी रफ्तार बढ़ाने में मदद करती है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अमृत भारत एक्सप्रेस के कोचों में कई आधुनिक फीचर जोड़े गए हैं। इसमें फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, बॉटल होल्डर, रेडियम फ्लोर स्ट्रिप्स, आरामदायक सीटें और बेहतर बर्थ सम्मिलित हैं। हर शौचालय में इलेक्ट्रोझ्रन्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर और फायर सप्रेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं दी गई हैं। इस ट्रेन में दिव्यांगजनों के लिए भी विशेष शौचालय उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही, हर यात्री के लिए फास्ट चार्जिंग पोर्ट और पेन्ट्री कार जैसी सुविधाएं यात्रा को और सुखद बनाती हैं।

सोंगर पुलिया के पास तीन बच्चों के शव मिले

आजमगढ़। दीदारगंज थाना क्षेत्र के सोंगर पुलिया के पास से तीन बच्चों का शव मिला है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। मौके पर पहुंची

पुलिस तीनों बच्चों के शवों को बाहर निकालने में जुटी हुई है। घटना स्थल आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना और जौनपुर जनपद के खेतासराय थाना के बीच का है। अभी पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

हिंसा भड़काने का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, बर्खास्त सिपाही है जुबैर गाजी

कानपुर। रेलबाजार थानाक्षेत्र में हिंसा भड़काने वाला ऑडियो वायरल करने के मुख्य आरोपी जुबैर अहमद खान उर्फ जुबैर गाजी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जुबैर पुलिस विभाग का बर्खास्त सिपाही है, जिसने हाल ही में समाजवादी पार्टी जॉइन की थी। कानपुर में रेलबाजार थानाक्षेत्र में हिंसा भड़काने के मामले में ऑडियो वायरल करने वाले मुख्य आरोपी जुबैर अहमद खान उर्फ जुबैर गाजी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुलिस विभाग का बर्खास्त सिपाही है। उन्नाव में वर्ष 2021 में बर्खास्त हुआ था। हालांकि किस मामले में आरोपी के खिलाफ बर्खास्तगी की कार्रवाई हुई थी। इसको पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में उसने समाजवादी पार्टी भी जॉइन की थी।

समस्याओं को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती। भाकियू भानू गुट ने शनिवार को किसान समस्याओं के समाधान के लिए एसडीएम रुधौली मनोज प्रकाश को 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। संगठन ने समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग की। बिजली आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने, किसानों के खेतों तक सिंचाई के लिए बिजली के तार बिछाने, 33 केवीए लाइन के आसपास उगी झाड़ियों को कटवाने, किसानों के घर स्मार्ट मीटर न लगाने, खतौनी में अंश निर्धारण सुव्यवस्थित करने, किसानों के खातों में बकाया गन्ना भुगतान और जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के उपाय करने की मांग की। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, भानपुर तहसील अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह, रामप्रताप चौधरी, संत कुमार, श्यामलाल, रामफेर आदि मौजूद थे।

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध शिक्षकों का आंदोलन जारी

बस्ती। टीईटी की अनिवार्यता कि विरोध में शिक्षकों का आंदोलन शनिवार को विकास खंडों तक पहुंच गया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही 24 दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन के तहत शिक्षक प्रतिदिन न्याय पंचायत स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। जिलाध्यक्ष ने बताया कि दुबौलिया में जिला उपाध्यक्ष दिवाकर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष रामपाल चौधरी, मंत्री त्रिलोकीनाथ सहित अन्य पदाधिकारियों के संयोजन में 32 शिक्षकों ने हस्ताक्षर किए। गौर क्षेत्र में जिला उपाध्यक्ष व ब्लॉक मंत्री विनोद यादव तथा सहयोगियों के नेतृत्व में 42 शिक्षकों ने हस्ताक्षर किए। कुदरहा में ब्लॉक अध्यक्ष चंद्रभान चौरसिया और सहयोगियों के नेतृत्व में 12 शिक्षकों ने हस्ताक्षर किए। वहीं नगर क्षेत्र में आनंद सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षरित ज्ञापन ई-मेल के माध्यम से राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश और बेसिक शिक्षा मंत्री को भेजा जा रहा है।

बस्ती मिनी मैराथन की तैयारी तेज

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ की ओर से 14वें बस्ती मैराथन की तैयारी के क्रम में शनिवार को बैठक हुई। संचालन सुधांशु और शाश्वत श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक काजी फरजान ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की, जबकि प्रबंध संयोजक रामप्रताप सिंह ने पांच अक्तूबर से होने वाले संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम में सहभागिता का अनुरोध किया। ओंकार चौधरी ने कहा कि इस बार मैराथन को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया गया है। सुनील यादव ने विद्यालयों से संपर्क बढ़ाने पर जोर देते हुए बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की उपस्थिति की संभावना जताई।

कोठवा भरतपुर में मीना मेला, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बस्ती। बहादुरपुर ब्लॉक के पीएम श्री संविलियन विद्यालय कोठवा भरतपुर में शनिवार को मीना मेले का आयोजन हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की प्रतिभा को मंच देना और उनमें आत्मविश्वास जगाना था। विद्यार्थियों ने विज्ञान के रोचक प्रयोग, गणित के आसान ट्रिक्स और विभिन्न प्रकार के खाने-पीने के स्टॉल प्रस्तुत किए। अंशिका गिरि, अंशिका निषाद, जसवंत, दिव्यांशी सहित कई बच्चों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों को मंच तक लाने और तैयार करने में मीना सुगम कर्ता श्वेता मिश्रा और कला विषय की अनुदेशिका की विशेष भूमिका रही।

एन. ई. लवे गर्ल्स इण्टर कालेज, गोरखपुर में ड्राइंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती हुई छात्राएं

गोरखपुर,: रेल यात्रियों को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 17 मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर स्टेशनों पर स्वच्छता सम्बन्धित नारों, पोस्टर एवं बैनर के माध्यम से जागरूक किया। वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बलिया, बेलथरा रोड, छपरा, देवरिया

सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छोत्सव थीम पर आधारित स्वच्छता ही सेवा अभियान के बारहवें दिन 28 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ, वाराणसी, इज्जतनगर मंडलों के प्रमुख स्टेशनों पर एवं रेलवे कॉलोनियों में स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अन्तर्गत विद्यालयों में निबंध लेखन, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतीक्षालय, कार्यालयों एवं ट्रैक के किनारों की सफाई की गई। स्वच्छता जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों, कर्मचारियों को जागरूक किया गया। 28 सितम्बर, 2025 को लखनऊ जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता प्रति जागरूक किया गया तथा स्टेशनों के प्लेटफार्मो एवं सकुर्लेटिंग एरिया, कार्यालयों एवं प्रसाधन की सफाई की गई। इस अभियान के अन्तर्गत एन. ई. रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज, गोरखपुर में स्वच्छता पर आधारित ड्राइंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के ड्रांइग एवं पेन्टिंग बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया तथा विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं बलिकाओं द्वारा सामूहिक रूप से श्रमदान किया गया, जिसमें विद्यालय के लगभग 250 विद्यार्थियों ने सामूहिक श्रमदान किया। वाराणसी मंडल पर प्रमुख स्टेशनों पर अनुबंध कर्मचारियों एवं रेलकर्मियों तथा स्काउट एवं गाइडों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव से बचने हेतु जागरूकता रैली निकालकर यात्रियों एवं कर्मचारियों को सदर, गाजीपुर सिटी, मऊ, प्रयागराज रामबाग, आजमगढ़ स्टेशनों पर प्लेटफॉर्मों, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों, प्रसाधन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं रेलवे टैज्क के दोनों किनारों तथा नालों की सफाई की गई। इज्जतनगर मंडल पर काठगोदाम, हल्द्वानी, लालकुआँ, काशीपुर, रूद्रपुर सिटी, बरेली सिटी, पीलीभीत, कासगंज, फरुर्खाबाद, फतेहगढ़, कन्नौज स्टेशनों पर सकुर्लेटिंग एरिया, प्रतीक्षालयों, टिकट काउंटरों एवं प्लेटफॉर्मों की सफाई की गई। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत इज्जतनगर के रोड न.-4 में स्थित गीतांजली जूनियर हाई स्कूल एवं न्यू मार्डन रेलवे कालोनी, इज्जतनगर स्थित मार्डन हाई स्कूल में स्वच्छता पर आधारित निबंध लेखन, चित्रकला एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया एवं स्वच्छता का संदेश दिया।

बिहार को मिलेगी तीन नई अमृत भारत ट्रेनें नई सौगात

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

नई दिल्ली: बिहार को आधुनिक रेल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना जं. से 07 ट्रेनों की सौगात बिहार को देंगे, जिनमें 03 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेंगे। मध्यम वर्ग और आम लोगों की लोकप्रिय ट्रेन के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बना लेने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की 12 सेवाएं अभी देश भर में चल रही हैं जिनमें 10 ट्रेन बिहार से चलती हैं। तीन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरूआत हो जाने के बाद इस श्रेणी की रेलगाड़ियां की संख्या बढ़कर 15 हो जाएगी जिसमें 13 ट्रेनों का परिचालन बिहार से होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बिहार वासियों के लिए यह बड़ी सौगात है। रेल सेवाओं में आम जनता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा पटना-बक्सर, झाझा-

दानापुर, पटना-इसलामपुर तथा शेखपुरा-बरबीघा के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। शेखपुरा-बरबीघा-बिहार शरीफ के रास्ते नवादा से पटना के लिए पैसेंजर ट्रेन के चालू हो जाने से बरबीघा-अस्थावां-बिहार शरीफ रेलखंड पर (जिसका पिछले दिनों सीआरएस निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया है) ट्रेनों के परिचालन का इस क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना पूरा हो जाएगा। पटना-इसलामपुर पैसेंजर एवं नवादा-पटना पैसेंजर का परिचालन नई लाइन जट डुमरी-फाजिलचक-तोपसरथुआ-दनियावां के रास्ते किया जाएगा जिससे इस क्षेत्र लोगों को भी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इस समारोह में बिहार को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री और उप मुख्यमंत्री 03 अमृत भारत एक्सप्रेस - मुजफ्फरपुर से हैदाराबाद के समीप चर्लपल्ली के मध्य, दरभंगा से अजमेर के समीप मदार जं. के मध?य तथा छपरा से आनंद विहार टर्मिनल के मध?य अमृत भारत ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। मुजफ्फरपुर से चर्लपल्ली के चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर से दक्षिण भारत के लिए पहली अमृत भारत ट्रेन होगी जबकि छपरा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस बिहार से दिल्ली के लिए छठी अमृत भारत ट्रेन होगी। यह अत्याधुनिक स्वदेशी ट्रेन यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का अनुभव देगी। ये ट्रेनें बिहार को देश के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर उत्तर भारत और दक्षिण भारत से तेज और सुगम कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। इनके संचालन से राज्य में आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा और पर्यटन, व्यापार तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। भारतीय रेलवे द्वारा विकसित अमृत भारत एक्सप्रेस आज देश की रेलवे प्रणाली के आधुनिकीकरण की मिसाल बन चुकी है। यह ट्रेन सिर्फ एक तेज और किफायती यात्रा का विकल्प नहीं है, बल्कि इसमें सेमी-ऑटोमेटिक कपलर, फायर डिटेक्शन सिस्टम, सील्ड गैंगवे, और टॉकबैक यूनिट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। पहली बार नॉन-एसी कोच में भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए उन्नत तकनीक अपनाई गई है। इससे पहले बिहार को 10 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सुविधा मिल रही है और अब इन 03 नई अमृत भारत ट्रेनों के शुरू होने से राज्य की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा नेता समेत सात पर हत्या की कोशिश का केस

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के जिनवा चौराहे पर हुए विवाद में वरिष्ठ भाजपा नेता सत्येंद्र शुक्ला उर्फ जिप्पी शुक्ला समेत सात लोगों पर हत्या की कोशिश समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। रत्नेश उर्फ राजू शुक्ला ने तहरीर में बताया कि उनके छोटे पुत्र आनंद शुक्ला 25 सितंबर को लेमिनेशन की पन्नी लेने जिनवा चौराहे पर गए थे। आरोप है कि इस दौरान विपक्षी समूह ने अपशब्द कहा और धर्मेंद्र शुक्ला ने अवैध असलहे से फायर किया, जो मिस हो गया। इसके बाद तमंचे की बट से सिर पर वार कर दिया गया। इससे आनंद बेहोश हो गया। विरोधियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट की। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में फायरिंग की पुष्टि नहीं की। थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी सत्येंद्र शुक्ला, धर्मेंद्र शुक्ला, जितेंद्र शुक्ला, गिरजेश शुक्ला, मनीष शुक्ला, अवनीश और देवेंद्र शुक्ला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच एसआई ओमप्रकाश त्रिपाठी को सौंपी गई है।

बभनान में सड़क से प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

बस्ती। बभनान हरैया तिराहे पर सड़क पर अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया। पुलिस और नगर पंचायत प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में सड़क किनारे लगे ठेले, रेडियो और फलों के क्रैट हटाए गए। जानकारी के अनुसार, शनिवार को नगर पंचायत टीम और बभनान पुलिस बल के साथ हरैया तिराहे पर पहुंचे। सड़क तक फैले ठेलों को नगर पंचायत की गाड़ी में लादकर हटाया गया। दुकानों को स्टील की रेलिंग के बाहर शिफ्ट किया गया। दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि पुनः अतिक्रमण पर जुमार्ने की कार्रवाई होगी। इस मौके पर नगर पंचायत के कर्मचारी भास्कर पाठक, भानु सिंह, ओम रावत, प्रदीप, कुलदीप, राजेंद्र, विवेक और बभनान चौकी के उप निरीक्षक सोमनाथ भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

भगत सिंह की जयंती पर शिक्षा, रोजगार पर किया संवाद

बस्ती। शहीदे आजम भगत सिंह की जयंती पर भारत की जनवादी नौजवान सभा (जनौस) ने लोहिया कॉम्प्लेक्स स्थित कैंप कार्यालय पर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के लिए संघर्ष विषयक कार्यक्रम आयोजित किया। जनौस के जिला अध्यक्ष ने भगत सिंह की फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भगत सिंह और उनके साथियों ने केवल आजादी के लिए ही नहीं, बल्कि आजाद भारत के विजन के लिए भी संघर्ष किया। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के संविधान में समाजवादी, गणतांत्रिक और धर्म निरपेक्ष भारत का स्पष्ट विजन है। माकपा के जिला सचिव कामरेड शेषमणि ने कहा कि देश में युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के अवसर कम हैं, जिससे वे आंदोलनरत हैं और सरकार को उनके सवालों का समाधान करना होगा। कार्यक्रम में नवनीत यादव, ओमेंद्र, संतोष कुमार यादव, राकेश और साधु ने गोष्ठी को संबोधित किया।

कुर्मी महासभा के पांचवीं बार जिलाध्यक्ष बने डॉ. वीके वर्मा

बस्ती। भारतीय कुर्मी महासभा की बैठक शनिवार को प्रेस क्लब सभागार में हुई। बैठक में संगठन के मजबूती पर चर्चा के साथ ही चुनाव अधिकारी महासंघ के मण्डल अध्यक्ष मस्तराम वर्मा की देख रेख में सर्व सम्मत से पदाधिकारियों की घोषणा की गई। डॉ. वीके वर्मा पांचवीं बार महासंघ के अध्यक्ष घोषित किए गए। इसी कड़ी में ई. रघुनाथ पटेल संरक्षक, अशोक चौधरी, प्रमोद चौधरी जिला उपाध्यक्ष, ई. केसी चौधरी महासचिव, शिवकुमार चौधरी, रमेश चंद्र वर्मा सचिव, राम दयाल चौधरी, विकास सचिव संयुक्त सचिव, अशोक वर्मा कोषाध्यक्ष, मायाराम चौधरी, श्याम नरायन चौधरी संगठन सचिव, विद्या सागर चौधरी, प्रचार प्रसार, एम.आर. चौधरी, इन्द्रजीत चौधरी मीडिया प्रभारी, घनश्याम चौधरी लेखाकार, एडवोकेट कल्याण चौधरी विधिक सलाहकार, आज्ञाराम चौधरी, मदन मोहन चौधरी, कार्य समिति सदस्य बनाए गए। इसके साथ ही सचिन चौधरी को सल्टौआ का ब्लाक अध्यक्ष बनाया गया। सह चुनाव अधिकारी बद्री प्रसाद चौधरी ने पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। बैठक में संगठन के प्रदेश सचिव आरके सिंह पटेल, अरविंद चौधरी, विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

नपा में बनाई गई महिला हेल्प डेस्क

बस्ती। शासन स्तर से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति विशेष अभियान के मद्देनजर शनिवार को नपाध्यक्ष नेहा वर्मा ने बैठक कर लोगों को जागरूक किया। ईओ अंगद गुप्ता ने मिशन शक्ति 5.0 जन जागरूकता अभियान के तहत बस्ती नगर पालिका के कार्यालय में महिला हेल्प डेस्क बनाई गई है।

राम विवाह का प्रसंग सुनकर भावविभोर हुए श्रद्धालु

बस्ती। क्षेत्र के रामगढ़ गांव में अयोध्या धाम के कथा वाचक आचार्य धर्म प्रकाश ने राम विवाह की कथा सुनाई। राम विवाह का प्रसंग सुनाकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। कथा वाचक ने राम के चरित्र को सुंदर और पावन बताया। कहा कि श्रीराम के जीवन सिद्धांत से सभी को सीख लेकर अपने जीवन उतारना चाहिए। कथा वाचक ने सीता स्वयंवर की कथा सुनाई। गुरु की आज्ञा से श्रीराम ने धनुष को उठाकर उसे तोड़ दिया। इसके बाद श्रीराम और सीता का विवाह हुआ। देवताओं ने आसमान से पुष्प वर्षा की। मुख्य यजमान प्रताप बहादुर सिंह व दीपक सिंह ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख केके सिंह, प्रिंस सिंह, वीर बहादुर सिंह, अजय सिंह आदि मौजूद रहे।

विसर्जन मार्ग सुगम बनाने का सचिवों को निर्देश

बस्ती। दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए थानाध्यक्ष वाल्टरगंज ने बीडीओ सल्टौआ को पत्र भेजा। पत्र में बताया गया कि थाना क्षेत्र के महादेवा घाट और शिवघाट पर विसर्जन के दौरान जाने वाले रास्तों में जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं, जिन्हें सुधारना आवश्यक है। इस पर बीडीओ अनिल कुमार यादव ने संबंधित सचिव अखिलेश कुमार शुक्ल और चन्द्रशेखर को मार्ग को सुगम बनाने एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके तहत रास्तों की मरम्मत और प्रकाश की व्यवस्था समय पर करायी जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने में कोई असुविधा न हो।

मां के दरबार में श्रद्धालुओं ने किया भजन-कीर्तन

बस्ती। राम जानकी मार्ग स्थित कलवारी में मां के दरबार में श्रद्धालुओं ने कीर्तन कर भक्ति का आनंद लिया। श्रद्धालु विजयपाल सिंह, मनोहर, जयप्रकाश, सुनील, राजू, कपूरचंद्र, श्यामचंद, रोहित सहित अन्य लोगों ने माता के भजन और भक्ति गीत गाए। भजन-संगीत के दौरान आयोजक पप्पू मोदनवाल एवं अन्य श्रद्धालु भी गीतों पर झूमते नजर आए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भक्ति भाव में पूरी तरह मग्न होकर माता के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

दुनियाभर के पेशेवरों को कनाडा बुलाने की तैयारी में पीएम कार्नी, कहा- जल्द बढ़िया स्कीम लाएंगे

ओटावा , 2 अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से एच-1बी वीजा की फीस 1 लाख डॉलर करने के चलते कई स्किल्ड वर्कर्स (कुशल श्रमिक) का वहां जाना मुश्किल हो गया है।ऐसे में कनाडा इस हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है।कनाडाई पीएम मार्क कार्नी ने शनिवार को लंदन में पत्रकारों से कहा कि वह अमेरिका में काम करने वाले टेक्नोलॉजी सेक्टर के उन लोगों को कनाडा बुलाना चाहते हैं, जो अब वीजा फीस बढ़ने से मुश्किल में पड़ गए हैं।उन्होंने कहा कि कनाडा सरकार अपनी आव्रजन नीति की समीक्षा कर रही है और ऐसे कुशल लोगों को अपने यहां बुलाने की योजना बना रही है।उन्होंने कहा, उनकी सरकार जल्द ही एक बढ़िया स्कीम लाएगी, जिससे कुशल पेशेवर को कनाडा में आने की सुविधा होगी। विशेषज्ञ बोले- अमेरिका जाने वाले अब कनाडा आएंगे टोरंटो की फर्म पैसेज के सीईओ मार्टिन बसिरी के मुताबिक वे लोग जो एच-1बी के जरिये अमेरिका आने की योजना बना रहे थे

राशिकरण की कटौती के नए आदेश से पेंशनर्स में नाराजगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के महामंत्री ओंकार नाथ तिवारी तथा उपाध्यक्ष गोपी कृष्ण श्रीवास्तव ने पेंशन राशिकरण की कटौती अवधि के पुनर्स्थापन विषयक प्रकरण राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय आठवें वेतन आयोग को संदर्भित किये जाने पर असंतोष एवं निराशा व्यक्त की है। इस संबंध में वित्त सामान्य अनुभाग तीन उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 25 सितंबर 2025 को एक कार्यालय ज्ञाप जारी करते हुए समस्त याचिकाकताओं एवं अन्य पेंशनरों से प्राप्त प्रत्यावेदनों को निस्तारित कर दिया गया है। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के सभी पेंशनरों में कुंठा एवं निराशा व्याप्त हो गई है। समिति अथवा राज्य सरकार द्वारा इस बिंदु पर विचार ही नहीं किया गया कि पेंशन राशिकरण की कटौती अवधि 15 वर्ष निर्धारित किए जाने के समय रसिकरण का गुणांक मानक 125 था जो वर्तमान में मात्र 98 निर्धारित है। राशिकरण की कटौती 15 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष 11 माह में करने की पेन्शनरों की मांग को हर स्तर से स्वीकृत किया गया था। उच्च न्यायालय ने भी पेन्शनरों की हजारों याचिकाओ पर शासन को सहानुभूति पूर्वक निर्णय लेने के निर्देश दिए थे और यह मानते हुए कि 10 वर्ष 11 माह की अवधि उचित है,कटौती पर स्टे भी दिए कि पेन्शनर की आर्थिक हानि रुक जाए। शासन ने 25 सितंबर को जो आदेश निर्गत किए है, निन्दनीय है, सदस्यो मे इस आदेश से आक्रोश भी है। इस सम्बंध में उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री से पेंशनर्स की भावनाओं से अवगत करायेगें। ज्ञात हो कि उच्चतम न्यायालय नें उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त माननीय न्यायाधीशों की इसी सम्बंध में योजित याचिका पर केन्द्र सरकार तथा समस्त प्रदेश सरकारों को जबाव देने हेतु नोटिस जारी किया गया है। 2006 से पूर्व पेन्शनर को एक रुपए की राशिकृत धनराशी के विरुद्ध 126 रुपए मिलते थे तथा उसकी वसुली 15 वर्ष में होती थी। उस समय बैंक व्याज दर 14 प्रतिशत थी। उसके उपरांत 2008 से पेन्शनर को एक रुपए के विरुद्ध 96 रुपए राशिकरण मिल रहा है तथा व्याज दर भी 6 प्रतिशत रह गई है तथा कटौती की अवधि वही 15 वर्ष है। जिससे पेन्शनर को प्राप्त राशि का का कई गुना अधिक वापस करना पड़ता है। जो पेन्शनर का आर्थिक उत्पीड़न भी है। जो जनकल्याण कारी सरकार के लिए उचित नही है।

सीएम ने की देवीपाटन मंदिर में पूजा-अर्चना, गायों को खिलाया चना, गुड़ और रोटियां

826 करोड़ की 124 परियोजनाओं की दी सौगात

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ कल दो दिन के दौरे पर बलरामपुर पहुंचे। उन्होंने मां पाटेश्वरी देवी के जहां दर्शन और पूजन किया, वही करीब 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं की सौगात भी बलरामपुर को दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बलरामपुर के दौरे के दूसरे दिन आज रविवार की सुबह देवीपाटन मंदिर में मां पाटेश्वरी के दर्शन कर उनके पांव पखारे। इसके बाद आरती की। यहां से वह गोशाला पहुंचे। वहां पर गायों को चना,गुड़, रोटियां खिलाकर गोसेवा की। मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से बातचीत की। बच्चों को दुलारा और टाफियां दीं। सीएम योगी शनिवार की रात यहां पहुंचे थे। मंदिर में दर्शन करके विश्राम को चले गए थे। उन्होंने रात्रि विश्राम यहीं मंदिर में किया था।सीएम ने मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं से मुलाकात की और बच्चों से भी मिले। बच्चों को टाफियां देकर उन्हें दुलार किया और खूब मन लगाकर पढ़ने को कहा। इस दौरान मंदिर के महंत मिथिलेश नाथ योगी, कालीबाड़ी मंदिर गोरखपुर के महंत रवींद्र दास भी मौजूद रहे।मंदिर से निकलने के बाद सीएम धुधुलपुर में कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने सरकारी योजनाओं पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने 826 करोड़ की 124 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

राजभवन परिसर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में चला स्वच्छता सेवा पखवाड़ा

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में चल रहे स्वच्छता सेवा पखवाड़ा-2025 के तहत राजभवन परिसर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में रविवार को विशेष सफाई अभियान और खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, अध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजभवन स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में सुबह से ही व्यापक सफाई अभियान चलाया गया। विद्यालय परिसर, कक्षाओं और आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। कार्यक्रम में मौजूद अध्यापकों ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें रोजमर्रा के जीवन में स्वच्छता अपनाने का संकल्प दिलाया। सफाई अभियान के बाद बच्चों में उत्साह बनाए रखने के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल के दौरान बच्चों में टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। प्रतियोगिता में दिव्यांश ने प्रथम और प्रिंस यादव ने द्वितीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विशेष सचिव, राज्यपाल श्रीप्रकाश गुप्ता समेत राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारी, अध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने मिलकर स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का संदेश दिया।

छोटे इमामबाड़े के तीन गेटों का निर्माण कार्य तत्काल प्रारम्भ किये जाने कप मांग

लखनऊ। ऐतिहासिक छोटे इमामबाड़े के तीन गेटों का निर्माण कार्य तत्काल प्रारम्भ किये जाने को लेकर ूमन वेलफेयर सोसाइटी (रजि०) लखनऊ के पदाधिकारियों एंव हिन्द सेवकों की बैठक सम्पन्न हुई।ूमन वेलफेयर सोसाइटी लखनऊ के अध्यक्ष एम० अली मदहोश एडवोकेट की अध्यक्षता में पदाधिकारियों एंव हिन्द सेवकों की बैठक संस्था के शाखा कार्यालय ठाकुरगंज चौराहा ठाकुरगंज में आज रविार को प्रातः 11 30 बजे सम्पन्न हुई। बैठक में योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन प्रेषित करके लखनऊ विकास

प्राधिकरण द्वारा स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत पारित 6 करोड के बजट से छोटे इमामबाडा हुसैनाबाद के तीनों गेट का तत्काल निर्माण प्रारम्भ करने की मांग की गई। यदि एक माह में निर्माण कार्य नही प्रारम्भ किया तो संस्था द्वारा भूख हड़ताल, अनशन किया जायेगा। एम० अली मदहोश एडवोकेट ने कहा कि पूर्व में छह सूत्रीय ज्ञापन प्रषित करके सरकार से मांग की गई थी कि छोटा इमामबाडा परिसर को अतिक्रमण मुक्त करके, अवागमन नौबतखाना के पीछे के रास्ते से कर दिया जाये। पुलिस चौकी सतखण्डा गेट से, नौबतखाना से रेस्टोरेंट हटानें व जर्जर हो रहे गेट का निर्माण करने हाई कोर्ट के आदेश का पालन करनें की सांग की गई थी। मण्डलायुक्त ने 06 करोड का बजट पारित तो कर दिया है लेकिन अभी तक निर्माण प्रारम्भ नही किया गया है। राजेश सक्सेना ने कहा कि ऐतिहासिक इमारतों को बचाने के लिए संस्था सभी शान्तिपूर्ण प्रयास करती रहेगी। इस बैठक में, सरोज कुमारी, रमेशचन्द्र, निर्मला, मंजू श्री. शोभा, जावेद नवाब, मो० सलीम, सलमा, बिलाल, कशिश सिंह, राजेश कनौजिया, राजेश सक्सेना, निदा फात्मा, जियाउद्दीन खान, कमर खान, विकास, प्रशांत आदि हिन्द सेवकों ने भाग लिया।

यूपी में पंचायत चुनाव से पहले गरमाई सियासत

आई लव योगी से आई लव अखिलेश तक पोस्टर वार की आग

लखनऊ। पंचायत चुनावों से पहले उत्तरप्रदेश की राजनीति एक बार फिर ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ी हो गई है और राजनीतिक दलों के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से लगाए आई लव योगी आदित्यनाथ जी के पोस्टर के जवाब में समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर समा समर्थकों ने आई लव अखिलेश यादव के पोस्टर लगाया है और अपनी एकजुटता दर्शाई है। मिली जानकारी के मुताबिक, उप्र में पोस्टर वार की शुरूआत लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की दो दिवसीय रायबरेली यात्रा के दौरान हुई थी। इस दौरान सपा के प्रदेश सचिव राहुल निर्मल बागी ने ब्रह्मा-विष्णु-महेश के पोस्टर लगा कर सनसनी फैला दी थी। पोस्टर में तेजस्वी, गांधी और यादव को भगवान का दर्जा दिया गया था। पोस्टर में लिखा था कि इंडिया की अंतिम आस, कलयुग के ब्रह्मा, विष्णु , महेश।श फोटो में तेजस्वी को भगवान ब्रह्मा का दर्जा और गांधी को भगवान विष्णु का दर्जा दिया गया था, जबकि अखिलेश को भगवान महेश का अवतार बताया गया था। बताया जा रहा है कि इसके बाद सीतापुर जेल से 23 माह बाद रिहा हुए समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान के समर्थन में समर्थकों ने पार्टी कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर अपनी निष्ठा जताई थी। सपा नेता मोहम्मद इकलाख की तरफ से लगाए गए इस पोस्टर में लिखा गया था कि आजम लौटे, ये एक नई सुबह की पहचान है, गौर से सुनो...हवाओं में सरकार बदलने का ऐलान है। वहीं पिछले दिनों कानपुर के रावतपुर इलाके में आई लव मोहम्मद के पोस्टर को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक दलों के लिए बूस्टर डोज का काम किया है। बरेली में हुए प्रदर्शन को लेकर सरकार के सख्त रुख को देखते हुए पहले जहां आई लव महादेव के पोस्टर लग रहे थे, वही बीजेपी नेता व युवा मोर्चा के महामंत्री अमित त्रिपाठी ने आई लव श्री योगी आदित्यनाथ जीश और आई लव बुलडोजरश लिखा कर सियासी गर्मी बढ़ा दी है। इन पोस्टरों पर योगी आदित्यनाथ और त्रिपाठी की फोटो लगी है। बीच में बुलडोजर की भी फोटो छपी है। वहीं, सपा कार्यालय के बाहर समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव विवेक सिंह यादव की तरफ से लगाये गए आई लव अखिलेश यादव जी के पोस्टर में समाजवादी सरकार के दौरान हुए विकास कार्यों को दशार्या गया है। पोस्टर में अखिलेश के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल रहे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस व एक्सप्रेस पर लड़ाकू विमानों के उतरने व लैपटॉप योजना को जगह दिया गया है।

फिल्म पर्दे पर हारी है, पर डॉयलॉगबाजी जारी है: अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बरेली में हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदर्शन करने वालों और सड़क जाम करने वालों को धमकी देते नजर आ रहे हैं। इसी अखिलेश यादव ने एक्स पर चुटकी ले ली है। दरअसल, उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि फिल्म पर्दे पर हारी है, पर डॉयलॉगबाजी जारी है। इतना ही नहीं सपा मुखिया ने आगे ट्वीट में लिखा है कि सुना है भाजपा के 4 विधायक भी फिल्म देखने नहीं गये, न ही किसीने फिल्म देखते हुए अपनी फोटो डाली, लगता है फिल्म बनवानेवाले, फिल्म देखने के लिए व्हिप जारी करना भूल गये थे। इस हिसाब से तो सरकार गिरी हुई मानी जाएगी और ये वो पहली सरकार होगी जो सदन में नहीं, सिनेमा हॉल में गिरी है। सिनेमा के आलोचक कह रहे हैं कि फिल्म की नाकामी के कारण पता करने के लिए तोंॅप्ज बैठानी पड़ेगी, वैसे तो एक कारण ये है कि दर्शक सच्ची भावनात्मक फिल्म देखना चाहते है, परंतु ये फिल्म तो सच्चाई से कोसों दूर है और मानवीय संवेदनाओं से भी। अभी इन्हें दर्शकों ने नकारा है, 24 के बाद एक बार फिर से मतदाता 27 में दुबारा इन्हें नकारेंगे, इनके अहंकार का भूत उतारेंगे। आपको बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर एक अजेय फिल्म बनी है। जो फ्लाप माना जा रहा है। उसी को लेकर और वर्तमान में सीएम योगी के द्वारा दी जारी भाषण को लेकर अखिलेश यादव एक्स के जरिए चुटकी ली है।

मुमताज शाह बाबा के उर्स मुबारक की तैयारी

लखनऊ। हजरत सैयद मुमताज शाह बाबा के 108 वें उर्स मुबारक की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। यह पवित्र आयोजन 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से हजारों जायरीन हिस्सा लेंगे। एस. एम. एस. फाउंडेशन के तत्वावधान में इस ऐतिहासिक उर्स की तैयारियां की जा रही हैं। फाउंडेशन के अध्यक्ष आकिल सईद बाबा के नेतृत्व में दरगाह को भव्य रूप देने और जायरीनों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।दरगाह परिसर की साफ-सफाई का कार्य तेजी से चल रहा है। उर्स को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए मोहम्मद कैफ कुरैशी, अरशद खान, कैफ खान, फरदीन शेख, कामरान, मोव साकिब, फराज, मोव सुफियान , मोव राशिद मुशर्रफ, मोहम्मद जब्बीर, रंजीत, पप्पू और इलियास जैसे समर्पित कार्यकर्ता दिन-रात जुटे हुए हैं। आकिल सईद बाबा ने बताया कि जायरीनों के लिए स्वच्छ और सुंदर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उर्स के दौरान जायरीनों के ठहरने और खाने की व्यवस्था को प्राथमिकताभी की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। रहने के लिए विशाल टेंट और अस्थायी आवास की व्यवस्था की जा रही है, जबकि भोजन के लिए शुद्ध और स्वादिष्ट लंगर की व्यवस्था होगी।

प्रकाश पर्व पर बिजली कनेक्शन के लिए उपभोक्ता परेशान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद् के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड से अपील की है कि आगामी दीपावली और दशहरा जैसे प्रमुख त्योहारों को ध्यान में रखते हुए नए बिजली कनेक्शन उपभोक्ताओं को तत्काल उपलब्ध कराए जाएं। वर्मा ने कहा कि पूरे प्रदेश में हजारों उपभोक्ता त्योहार के मौके पर नए बिजली कनेक्शन के लिए परेशान हैं, लेकिन पावर कॉर्पोरेशन की ओर से यह अनावश्यक बाधा खड़ी कर दी गई है कि नए कनेक्शन सिर्फ स्मार्ट प्रीपेड मीटर के जरिए ही दिए जाएंगे। उन्होंने इसे न केवल नियमविरुद्ध बताया बल्कि उपभोक्ताओं के लिए अनावश्यक आर्थिक बोझ भी करार दिया।उन्होंने बताया कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर की कीमत 6000 तक है, जबकि विद्युत नियामक आयोग ने अभी तक इसकी दरें निर्धारित ही नहीं की हैं। इसके विपरीत, विद्युत कनेक्शन की दरें कॉस्ट डाटा बुक के अनुसार तय होनी चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को पारदर्शी और सस्ती दरों पर सेवा मिल सके।

प्रदेश अध्यक्ष, डिप्टी सीएम ने कार्यकताओं के साथ सुनी पीएम मोदी की मन की बात

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 126वें संस्करण को लेकर रविवार को लखनऊ में उत्साह देखने को मिला। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और पार्टी पदाधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर कार्यकताओं संग यह कार्यक्रम सुना और प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। लखनऊ कैंट क्षेत्र के मुरली नगर पार्क के पास स्थित संजय अग्रवाल के आवास पर सुबह 11 बजे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और कार्यकताओं ने मन की बात का सीधा प्रसारण सुना। इस दौरान ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देश के लिए मार्गदर्शक है और इससे समाज में सकारात्मक बदलाव की प्रेरणा मिलती है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या-158, रामपुर देवरई में कार्यकताओं के साथ यह कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों से वोकल फॉर लोकल, स्वच्छता और खादी को बढ़ावा देने का आह्वान किया है। यह अभियान भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री के संदेश के बाद नेताओं और कार्यकताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्वच्छता अभियान को और मजबूत करने का संकल्प लिया। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि गली-मोहल्लों, बाजारों और गांवों को साफ-सुथरा रखने और खादी वस्त्रों को अपनाने से देश की संस्कृति और गौरव को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अमर शहीद भगत सिंह को नमन किया और कहा कि लता मंगेशकर ने भारतीय संगीत को पूरी दुनिया में लोकप्रिय बनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वदेशी अभियान को बढ़ावा दे रहे हैं। हम सभी से आग्रह करते हैं कि देश में बने सामान खरीदें और देश में बने सामान का ही प्रचार-प्रसार करें।

राशिकरण की कटौती के नए आदेश से पेंशनर्स में नाराजगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के महामंत्री ओंकार नाथ तिवारी तथा उपाध्यक्ष गोपी कृष्ण श्रीवास्तव ने पेंशन राशिकरण की कटौती अवधि के पुनर्स्थापन विषयक प्रकरण राज्य सरकार द्वारा केंद्रीय आठवें वेतन आयोग को संदर्भित किये जाने पर असंतोष एवं निराशा व्यक्त की है। इस संबंध में वित्त सामान्य अनुभाग तीन उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 25 सितंबर 2025 को एक कार्यालय ज्ञाप जारी करते हुए समस्त याचिकाकताओं एवं अन्य पेंशनरों से प्राप्त प्रत्यावेदनों को निस्तारित कर दिया गया है। राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रदेश के सभी पेंशनरों में कुंठा एवं निराशा व्याप्त हो गई है। समिति अथवा राज्य सरकार द्वारा इस बिंदु पर विचार ही नहीं किया गया कि पेंशन राशिकरण की कटौती अवधि 15 वर्ष निर्धारित किए जाने के समय रसिकरण का गुणांक मानक 125 था जो वर्तमान में मात्र 98 निर्धारित है। राशिकरण की कटौती 15 वर्ष के स्थान पर 10 वर्ष 11 माह में करने की पेन्शनरों की मांग को हर स्तर से स्वीकृत किया गया था। उच्च न्यायालय ने भी पेन्शनरों की हजारों याचिकाओ पर शासन को सहानुभूति पूर्वक निर्णय लेने के निर्देश दिए थे और यह मानते हुए कि 10 वर्ष 11 माह की अवधि उचित है,कटौती पर स्टे भी दिए कि पेन्शनर की आर्थिक हानि रुक जाए। शासन ने 25 सितंबर को जो आदेश निर्गत किए है, निन्दनीय है, सदस्यो मे इस आदेश से आक्रोश भी है। इस सम्बंध में उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, वित्त मंत्री से पेंशनर्स की भावनाओं से अवगत करायेगें। ज्ञात हो कि उच्चतम न्यायालय नें उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त माननीय न्यायाधीशों की इसी सम्बंध में योजित याचिका पर केन्द्र सरकार तथा समस्त प्रदेश सरकारों को जबाव देने हेतु नोटिस जारी किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

डिपो में खड़ी डबलडेकर बस, चलेगी दीपावली के बाद !

लखनऊ। रोडवेज की इलेक्ट्रिक डबलडेकर बस नौ महीने से सड़क पर उतरने को बेकरार है। चार्जिंग स्टेशन नहीं बनने से बस का अरमान पूरा नहीं हो पा रहा है। अब अस्थायी व्यवस्था कर बस को दीपावली के बाद सड़क पर उतारने की तैयारी की जा रही है।महाकुंभ में रोडवेज को लखनऊ से बाराबंकी के बीच संचालन के लिए डबलडेकर बसें मिली थीं, मगर नौ महीने से बस बाराबंकी डिपो में खड़ी है। चार्जिंग स्टेशन नहीं होने से दिक्कतें हो रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि चार्जिंग स्टेशन तैयार करने के लिए एनओसी की प्रक्रिया हो गई है, लेकिन इसे बनने में समय लगेगा। ऐसे में दीपावली के बाद अस्थायी व्यवस्था कर बस चलाई जा सकती है।

जीपीओ में प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन

लखनऊ। जीपीओ में आज डाक टिकट संग्रह को लेकर अभिरुचि रखने वालों के लिये लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में स्कूलों के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जीपीओ के चीफ पोस्टमास्टर राजेश कुमार के मुताबिक आज 28 सितम्बर को प्रथम चरण के अंतर्गत लिखित प्रश्नोत्तरी परीक्षा का लखनऊ जीपीओ में आयोजन किया गया, जिसमे लखनऊ के विभिन्न स्कूलो के करीब सवा सौ बच्चों ने हिस्सा लिया।उन्होंने बताया कि परीक्षा में प्रतिभाग करने वाले स्कूलों में सेठ आनंदराम जयपुरिया, मॉडर्न स्कूल, नवयुग रेडिएंस, महर्षि विद्या मंदिर, सिटी मांटेसरी स्कूल, बाल विद्या मंदिर, सिटी इंटरनेशनल स्कूल आदि के कक्षा 6,7,8 एवं 9 तक के 124 बच्चों ने सहभागिता की। बच्चों में डाक टिकटों के प्रति जो रूचि और उनके विचार हैं, वे सराहनीय है।

टीम इंडिया की जीत के लिए यज्ञ,

लखनऊ। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच आज महामुकाबला होगा। इसे लेकर लखनऊ में टीम इंडिया की जीत के लिए यज्ञ किया गया। विश्व हिंदू रक्षा परिषद की ओर से गोमती नगर में भारतीय टीम की जीत के लिए विजय यज्ञ पूजा और हवन किया गया। विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने कार्यालय पर भारत की जीत के लिए शंख बजाते हुए प्रार्थना की। संगठन के पदाधिकारी हाथों में तिरंगा और भगवा झंडा लेकर पहुंचे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि भारत की जीत निश्चित हो इसके लिए हम लोग इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। वैसे तो यह मैच भारत ही जीतेगा, मगर हम चाहते हैं कि महादेव की कृपा हो और अगर कुछ कहीं से कमी हो तो वह भी पूरी हो जाए। लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद के सदस्य बॉबी ने कहा कि पहले ऑपरेशन सिंदूर में पटका था, उसके बाद इस टूनार्मेंट में दो बार पटकनी दे चुके हैं। आज फाइनल में भी पटकेंगे। हम लोग हमेशा से पाकिस्तान को पीटते-पटकते आ रहे हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद महामुकाबले से पहले भारत की जीत के लिए महायज्ञ कर रहा है। हम लोग यह मैच जरूर जीतेंगे। पाकिस्तान जैसे बेशर्म देश को हमेशा से ही मुंहतोड़ जवाब मिला है। हम लोग महायज्ञ मंत्र उच्चारण और अभिषेक कर रहे हैं। हनुमानजी के आशीर्वाद से हमारी जीत निश्चित है। पाकिस्तान कभी भारत से नहीं जीत सकता है।

पत्नी से की मारपीट कर अश्लील फोटो वायरल करने वाला फायरमैन गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पत्नी के साथ मारपीट और वाट्सऐप पर उसकी अश्लील तस्वीरें वायरल करने के मामले में चिनहट पुलिस ने फायरमैन पवन कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को रविवार सुबह उसके लखनऊ स्थित घर के पास से दबोचा गया। पुलिस ने बताया कि पवन फैजाबाद के रुदौली फायर स्टेशन में तैनात है और इन दिनों लखनऊ के जानकीपुरम गार्डन, सेक्टर श्र में रह रहा था। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता ने 19 सितंबर को चिनहट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उसका पति पवन सिंह लगातार उसके साथ मारपीट करता था, गाली-गलौज करता था और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। आरोप है कि झगड़े के दौरान पवन ने उसकी अश्लील तस्वीरें लीं और उन्हें वाट्सऐप पर वायरल कर दिया। यही नहीं, उसने जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 67 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 66, 115(2), 351(2), 352 के तहत केस दर्ज किया।

निगोहां पुलिस ने धर्मांतरण करने वाले को पकड़ा

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट की दक्षिणी निगोहां पुलिस ने धर्मांतरण करने वाले को पकड़ा है। आरोपी ईसाई धर्म में कन्वर्ट कराता था। अपने खेत में चंगाई सभा लगाकर लोगों को एकत्रित करता था। इलाज और अलग-अलग प्रलोभन देकर ईसाई धर्म में कन्वर्ट करता था। डीसीपी दक्षिणी निपुण अग्रवाल ने बताया कि पुलिस को धर्मेंद्र शर्मा नाम के व्यक्ति ने सूचना दी कि चख्तीरी खेड़ा मजरा मेहंदौली थाना निगोहां निवासी मलखान अनुसूचित जाति का है। मलखान ने अपने खेत पर हॉलनुमा मकान बनवाया है, जिसको चर्च (प्रार्थना सभा) के रूप में इस्तेमाल करता है। इसमें हर रविवार और गुरुवार को क्षेत्र के भोले-भाले अनुसूचित जाति की महिलाओं-बच्चों को इकट्ठा करके बीमारी ठीक करने के नाम पर लालच और प्रलोभन देकर चंगाई सभा लगाता है। इसके अलावा चमत्कार का बहाना बताकर पैसों का लालच देकर सभा का आयोजन करता है।महिलाओं-बच्चों को बपतिस्मा (ईसाई दीक्षा) देकर धर्मान्तरण कराता है। कई लोगों का धर्मान्तरण करा चुका है। इस पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मलखान को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी मलखान ने बताया 2016 में हिन्दू धर्म को छोड़कर ईसाई धर्म को अपना लिया था। मलखान ने अपने तीन बच्चों तथा भतीजों के परिवार के अन्य लोगों के नाम परिवर्तित कर क्रिश्चियन नाम कर दिए। मलखान यीशु चंगाई सभा नाम से वॉट्सऐप ग्रुप चलाता है, जिसमें खासकर अनुसूचित वर्ग के लोगों को जोड़ा गया है।चंगाई सभा के नाम पर क्षेत्र के 12 से ज्यादा अनुसूचित जाति के महिलाओं-बच्चों को इकट्ठा कर उन्हें प्रलोभन देकर बपतिस्मा (ईसाई दीक्षा) देकर धर्मान्तरण कराया गया है। मलखान के पास से ईसाई धर्म से संबन्धित वस्तुओं को बरामद किया गया। मलखान उपरोक्त के आर्थिक स्त्रोतों के बारे में भी जाँच की जा रही है। धर्मान्तरण के शिकार हुए लोगों से संपर्क कर मामले की गहनता से जाँच की जा रही है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो बीच सड़क पलटी, दो गाड़ियों को मारी टक्कर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गुडंबा में थाना क्षेत्र के खुर्रम नगर फ्लाईओवर पर एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो कई गाड़ियों में टक्कर मारकर पलट गई। गनीमत रही हादसे में कोई गंभीर घायल नहीं हुआ। कार सवार को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। रविवार दोपहर करीब 1 बजे मुंशी पुलिया से टेढ़ी पुलिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो खुर्रम नगर फ्लाईओवर पर अनियंत्रित होकर पलट गई। वहां मौजूद लोगों की मानें तो स्कॉर्पियो चालक ने पहले दो गाड़ियों में हल्की टक्कर मारी। इसके बाद दीवार से टकराकर पलट गई। कार ड्राइवर को गाड़ी से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। मामले में पुलिस का कहना है किसी को चोट नहीं आई है। चालक ने कंट्रोल खो दिया था जिसकी वजह से हादसा हुआ है।

मंत्र भारत

लखनऊ-सोमवार,29 सितम्बर 2025

सम्पादकीय

जेन-जैड तो महज संभावित लाभार्थी हैं

लेह लद्दाख में जो कुछ हुआ उसे जेन-जी या जेन-जैड कहने वाले बहुत मिल रहे हैं। उत्तराखंड में परीक्षा पेपर लीक का विरोध करने को भी जेन-जी बताया जा रहा है लेकिन लद्दाख अशांति की वजह के बीज तो 5 साल पहले ही पड़ चुके थे। पेपर लीक पूरे उत्तर भारत के बेरोजगारों का पुराना दर्द है। कब तक लोग वायदों के झुनझुने से दिल को तसल्ली देते रहेंगे, कब तक छात्र पेपर लीक के शिकार होते रहेंगे, कब तक राजनीतिक दल झूठे आश्वासन देकर वोट हासिल करते रहेंगे, कब तक नौकरी लगने की उम्मीद में छात्र ओवर एज होते रहेंगे, एक दिन तो गुस्सा भड़केगा ही, फिर यह किसी अकेले का गुस्सा नहीं है। जम्मू-कश्मीर की बात करें तो 2019 में धारा 370 हटाई जाती है। जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है जिसकी अपनी कोई विधानसभा भी नहीं होती। जम्मू-कश्मीर को अलग से केंद्र शासित प्रदेश बना दिया जाता है लेकिन विधानसभा की व्यवस्था की जाती है। दोनों को भरोसा दिया जाता है कि उचित समय आने पर राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा। लद्दाख को छठी अनुसूची में डालने का वायदा किया जाता है, इसका मतलब है कि करीब 98 फीसदी अनुसूचित जन जाति को उत्तर पूर्व के आदिवासी बहुल राज्यों की तरह अधिकारों और केंद्र से वित्तीय सहयोग यानी एक तरह से संवैधानिक सुरक्षा मिलना है। इसके अलावा स्थानीय जनता कारगिल और लेह को अलग-अलग लोकसभा सीट बनाने और सरकारी नौकरियों में स्थानीय भर्ती की मांग कर रही है लेकिन 2025 पूरा होने को है और वादे पूरे नहीं हुए हैं। खासतौर से अभी तक पूर्ण राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल किया जाना बाकी है। वैसे जम्मू-कश्मीर की जनता भी केन्द्र सरकार को बार-बार फिर से राज्य का दर्जा देने के वादे को याद दिलाती रहती है। अब कई मैदानी इलाकों में भाजपा शासित राज्यों में स्थानीय नौकरी के कानून बनाए (सुप्रीम कोर्ट में रोक दिए गए) जा सकते हैं तो लद्दाख में क्यों नहीं? ऐसा भी नहीं है कि एल.जी. के माध्यम से केंद्र सरकार बात नहीं कर रही। जनवरी, 2003 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था, उसके बाद बातचीत के कुछ दौर भी चले हैं। इसमें सोनम वांगचुक का संगठन भी शामिल है लेकिन बातचीत की गति धीमी है, इसमें तेजी लाने के लिए लेह से दिल्ली तक पैदल मार्च भी वांगचुक को करना पड़ता है। अब 6 अक्तूबर को बातचीत का अगला दौर होना था। वांगचुक भूख हड़ताल पर थे। उनके 2 साथियों को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। उसने ट्रिगर प्वाइंट का काम किया। ङ्कषहसा हुई, ङ्कषहसा होने के विरोध में सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल तोड़ दी लेकिन निशाना उन पर लगाया जा रहा है, उन्हें देशद्रोही बताया जा रहा है, यह मूल समस्या से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश ही है। अब कहा जा रहा है कि सोनम वांगचुक ने युवा वर्ग को भड़का दिया। राहुल गांधी की कांग्रेस उकसाने का काम कर रही है। नेपाल, बंगलादेश, श्रीलंका को भारत में दोहराना चाहते हैं राहुल गांधी जबकि वास्तविकता यह है कि लद्दाख की समस्या एक राजनीतिक समस्या है (जिसका जुड़ाव चुनावी मुनाफे से है) और इसका राजनीतिक समाधान ही अंतिम समाधान है जो केन्द्र और लद्दाख के सियासी, सामाजिक संगठनों को मिलकर निकालना है, जेन-जैड तो महज संभावित लाभार्थी हैं। फैशन हो गया है जेन-जैड की बात करना। हो सकता है कि कुछ लोगों को ऐतराज हो लेकिन सच्चाई यह भी है कि 14 से 28 साल की जैनरेशन का एक बड़ा हिस्सा दो जी.बी. डाटा दिन में खर्चने पर ज्यादा ध्यान देता है। इस पीढ़ी में अजीब तरह का लापरवाही भरा अंदाज भी नजर आता है। इस पीढ़ी की कितनी राजनीतिक समझ है, कितना सामाजिक, राजनीतिक आंदोलनों के बारे में जानती है, मुझे तो कम से कम गलतफहमी नहीं है। कुल मिलाकर यह पीढ़ी अपना बुरा-भला सोचती भी है और समझती भी है लेकिन इससे आगे इस पीढ़ी को जिम्मेदार और जवाबदेह बनाने का काम सोनम वांगचुक जैसे लोग ही कर सकते हैं। युवा स्वभाव से ही विद्रोही होता है, बेसब्र होता है, बहकने की गुंजाइश ज्यादा रहती है और बदलाव चाहता है लेकिन हर सत्ता परिवर्तन का मतलब बदलाव नहीं होता। व्यवस्था परिवर्तन जरूर बदलाव की दिशा में आता है लेकिन यह काम व्यवस्था के अंदर जाकर ही किया जा सकता है, नारेबाजी, आगजनी, सोशल मीडिया पोस्ट से नहीं। यहां अब उत्तराखंड की बात करना जरूरी हो जाता है। पूरी कहानी चार वाक्यों में समेटी जा सकती है। फिर एक पेपर लीक होता है, फिर पुलिस एक-आध को गिरफ्तार करती है, फिर लड़के सड़कों पर आते हैं, फिर मुख्यमंत्री नकल जेहाद के खात्मे की कसम खाते हैं, जेहाद का यह सरलीकरण है या नकल यानी पेपर लीक को भी हिंदू-मुस्लिम के चश्मे से देखने की कोशिश होती है। चूंकि इस बार पेपर लीक के मामले में पुलिस ने मुस्लिम भाई-बहन को पकड़ा तो यह नकल जेहाद हो गया।

सोशल मीडिया का प्रेत !

नयी पीढ़ी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय रहती है। उसकी सोच भी वहीं से गढ़ी जाती है जिसके मुताबिक युवा पोस्ट कर रहे हैं, विरोध कर रहे हैं, और राजनीति-शासन के मुद्दे उठा रहे हैं। ये मंच अलग-अलग संस्थाओं से नियंत्रित हैं। पहले अरब स्प्रिंग के विद्रोह हुए। हाल के सालों में श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल के प्रोटेस्ट युवाओं की प्लेटफॉर्म्स पर सक्रियता से उपजे हैं जिनमें प्रमुख पॉडकास्ट, इंस्टाग्राम, रेडिट, टिकटॉक, एक्स और फेसबुक है। लेकिन ऑनलाइन पोस्ट की गई हर चीज विश्वसनीय नहीं होती। दरअसल जटिल मुद्दों पर बने भ्रमजाल से यूजर प्रभावित होते हैं। इस सोच का रिएक्शन बदलाव तो ला सकता है लेकिन आने वाली नयी व्यवस्था की राह नहीं बताता। जेनरेशन-जेड पीढ़ी एक साथ दो नेपालों में जी रही है। एक पिछली पीढ़ियों का नेपाल है रू सुबह अखबारध्रेडियो, दोपहर में फेसबुक स्क्रॉल, और शाम को समाचार प्रसारण सुनने वाला। दूसरी तरफ, नया नेपाल है रू इंस्टाग्राम और फेसबुक पर रील्स, टिकटॉक क्लिप्स, ट्विटर और रेडिट थ्रेड्स के लिए डूमस्क्रॉलिंग, जहां आज की जेन-जेड पीढ़ी बहस करती है। हंसती है। आलोचना करती है। असहमति पर बॉल्स टू यू बोलकर आगे बढ़ जाती है। दोनों की दुनिया मुखर और भावुक है, लेकिन वे शायद ही कभी एक-दूसरे से बात करते हैं। यह अंतर हानिरहित दिखता है, फिर भी यह लोकतंत्र के सामने सबसे बड़े खतरों में से एक है। यह खतरा पूर्वी-पश्चिमी एशियाई देशों से लेकर भारत तक मंडरा रहा है। दशकों तक, नेपाल में पुरानी पीढ़ियों ने राजनीतिक बदलाव को आकार दिया। वे नरेश निमार्ता थे, न केवल अपने वोट के कारण, बल्कि इसलिए भी, कि उन्हें समसामयिक घटनाओं की जानकारी थी। वे अखबार पढ़ते थे, रेडियो सुनते थे, और राजनीतिक समाचारों पर बारीकी से नजर रखते थे। मुख्यधारा के मीडिया ने उन्हें संदर्भ, गहराई, और सिंह दरबार में जो कुछ हो रहा था, उसकी एक साझा समझ दी। अब, कहानी अलग है। नई पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागरूक है। हम चुप नहीं हैं, उदासीन नहीं हैं। आज के युवा पोस्ट कर रहे हैं, विरोध कर रहे हैं, और ऐसे सवाल पूछ रहे हैं, जिन्हें पहले राजनीतिक रूप से वर्जित माना जाता था। लेकिन, यह बातचीत ज्यादातर पॉडकास्ट, इंस्टाग्राम, रेडिट, टिकटॉक, एक्स और फेसबुक तक ही सीमित है। ये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बुजुर्ग नेपालियों के एक बड़े समूह के बीच लोकप्रिय विकल्प नहीं हैं। इसका मतलब है, कि जोश और विचारों से भरी जेनरेशन जेड की आवाजें अक्सर छोटे ऑनलाइन सर्कल में घूमती हैं, लेकिन शायद ही कभी पूरे देश तक पहुंच पाती हैं। इसलिए, इस पीढ़ी की आवाज को गलत समझा जाता है। यह अंतर सिर्फ प्लेटफॉर्म का ही नहीं है। यह पहुंच और डिजिटल साक्षरता का भी है। पुरानी और बीच की पीढ़ी डिजिटली अर्धसाक्षर है। इससे दो विभाजन पैदा होते हैंरू एक तो पहुंच का विभाजन, जहां सभी समान रूप से भाग नहीं ले सकते, और दूसरा पीढ़ीगत विभाजन, जहां पहुंच होने के बावजूद, वृद्ध लोग डिजिटल प्लेटफॉर्म की गति, और विविधता के साथ तालमेल

बिठाने के लिए संघर्ष करते हैं। डिजिटल विभाजन के अलावा, भाषा की एक बाधा बनी हुई है। सभी अंग्रेजी फरार्टेदार नहीं बोलते। ओ फ... बोलना-सुनना, गुनाहे अजीम है पुरानी पीढ़ी के लिए। ऑनलाइन पोस्ट की गई हर चीज विश्वसनीय नहीं होती। जटिल मुद्दों को अक्सर आकर्षक शीर्षकों या मीम्स में बदल दिया जाता है, और अक्सर उन्हें गलत समझा जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि जो वायरल होता है, वह हमेशा सबसे महत्वपूर्ण नहीं होता। अगर हम केवल सोशल मीडिया पर निर्भर रहते हैं, तो हम गति के लिए गहराई, और विचारों के लिए तथ्यों का जोखिम उठाते हैं। ईमानदारी से कहें तो, सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार है। इस डिजीटल तलवार का भांजना पंद्रह साल पहले, अरब स्प्रिंग से शुरू हुआ था। ट्यूनीशिया की 2011 की जैस्मिन क्रांति ने राष्ट्रपति बेन अली को अपदस्थ कर दिया, लेकिन एक सुसंगत वैचारिक ढांचे का अभाव था, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रपति कैस सईद के नेतृत्व में लोकतांत्रिक पतन हुआ। इसी प्रकार, मिस्र का 2011 का तहरीर चौक विद्रोह, अपनी प्रारंभिक सफलता के बावजूद, धर्मनिरपेक्षतावादियों, इस्लामवादियों और क्रांतिकारियों के बीच वैचारिक विखंडन के परिणामस्वरूप सैन्य पुनरभिपुष्टि (सैन्य मजबूती) हुई ।छात्रों के विरोध प्रदर्शन के एक साल बाद, बांग्लादेश अभी भी वादा किए गए चुनावों का इंतजार कर रहा है। श्रीलंका में अरागालय को एक संज्ञा के रूप में नहीं - एक पूर्ण घटना के रूप में नहीं - बल्कि एक क्रिया के रूप में - एक सतत संघर्ष के रूप में, माना जाना था। लेकिन सत्ता-विरोधी वादों पर सत्ता में आया गठबंधन उन्हीं ताकतों के साथ समझौते कर रहा है, जिनका कभी उसने विरोध किया था। अंततः राजनीति का मतलब यह नहीं है कि क्या कारगर है, या कौन शासन करेगा? इसी सवाल से वाबस्ता है, फिलीपींस। यदि राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर को हटाया, तो किसके हाथों आ जाएगी सत्ता? फिलीपींस में जूनियर मार्कोस को सत्ता से हटते ही, उपराष्ट्रपति सारा डुटर्टे कुर्सी न सम्हाल लें, जो पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो डुटर्टे की बेटी हैं। डुटर्टे ने ड्रग्स के खिलाफ युद्ध चलाया, जिसके कारण हजारों मौतें हुईं। वो हेग स्थित इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस की हिरासत में हैं।ठीक से देखा जाये, तो फिलीपींस में लोगों का गुस्सा नेपाल जितना व्यापक और भयावह नहीं है। मनीला पुलिस डिस्ट्रिक्ट (एमपीडी) के अनुसार, रविवार को भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान मनीला में भड़के दंगे में शामिल 200 से ज्यादा लोग अब पुलिस हिरासत में हैं। गिरफ्तार किए गए 212 लोगों में से 89 नाबालिग हैं, जिनमें से 24 की उम्र 12 साल या उससे कम है। लेकिन क्या, ये लोग सत्ता की कमान संभालेंगे? लोगों की प्रतिक्रिया इतनी त्वरित होती है कि साउंड और लाईट के सारे नियम ध्वस्त हो जाएं। लेह में प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय को आग लगा दी, नेपाल से तुलना करने में लोगों ने सेकेंड की भी देर नहीं की नेपाल में जब जेन-जी आंदोलन शुरू हुआ, कुछ लोगों ने सीआईए पर संदेह व्यक्त किया, कि यह सारा कुछ उसी का किया-धरा है। लेकिन ठीक से देखा जाये, तो दुनिया भर में सोशल मीडिया पर किसी एक संस्था का नियंत्रण नहीं हैय नियंत्रण मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, इंस्टाग्राम) और अल्फाबेट इंक. (गूगलध्यूट्यूब) जैसी बड़ी निजी कंपनियों और राष्ट्रीय सरकारों के बीच बंटा हुआ है, जो सामग्री को सेंसर कर सकती हैं, और विनियमन एवं कानून प्रवर्तन के माध्यम से प्लेटफॉर्म्स को प्रभावित कर सकती हैं। जहां निजी कंपनियां अपने प्लेटफॉर्म्स पर सामग्री को नियंत्रित करती हैं, वहीं उनकी शक्ति को सरकारी कार्रवाइयों और यूनेस्को जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों द्वारा भी चुनौती दी जाती है, जिनका उद्देश्य अधिक जवाबदेही और मानवाधिकार सिद्धांतों को स्थापित करना है।

सरकारें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को विनियमित करने के लिए नीतियां लागू कर सकती हैं, जो भारत में कभी-कभार दिखती हैं। सरकारें प्लेटफॉर्म्स तक पहुंच को अवरुद्ध कर सकती हैं, या कभी-कभी कंपनियों को अपने नागरिकों के लिए सामग्री तक पहुंच प्रतिबंधित करने के लिए बाध्य कर सकती हैं। लेकिन यह भी है, कि कई देशों में सत्ता पक्ष सोशल मीडिया पर एक्टिव ट्रोल आर्मी का इस्तेमाल अपने हितों को साधने के लिए करता है। पीडब्ल्यू रिसर्च का मानना है कि साल 2024 में भारत में ही लगभग 24 करोड़ फर्जी अकाउंट्स सोशल मीडिया पर एक्टिव थे। सर्वेक्षण के अनुसार, फर्जी अकाउंट्स संयुक्त राज्य अमेरिका और दक्षिण कोरिया में भी सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। सर्वेक्षण में शामिल 25 देशों में से 24 में, अधिकांश लोग गलत सूचनाओं को अपने देश के लिए एक बहुत बड़ा खतरा मानते हैं। सर्वेक्षण में पाया गया है कि, उम्र भी लोगों की फर्जी खब्बरों के प्रति धारणा को प्रभावित कर सकती है। अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, केन्या, पोलैंड, स्वीडन और अमेरिका में, युवा लोगों की तुलना में वृद्ध लोग आमतौर पर ऑनलाइन झूठी सूचनाओं को एक बड़ा खघ्तरा मानने की ज्यादा संभावना रखते हैं। जैसे-जैसे तकनीक हमारे रोजमर्रा के जीवन में और ज्यादा एकीकृत होती जा रही है, संचार के एक माध्यम के रूप में सोशल मीडिया पर लोगों की निर्भरता भी काफी बढ़ गई है। लीबिया में मोबाइल उपकरणों से लेकर वर्जीनिया में स्थानीय सैटेलाइट इंटरनेट सेवा तक, दुनिया को बदलने वाली घटनाएं तुरंत दुनिया भर में वेब पर फैल जाती हैं। दुनिया भर में क्या हो रहा है या क्या ट्रेंड कर रहा है, यह जानने के लिए आपको बस यह देखना होगा कि सोशल मीडिया पर क्या लोकप्रिय है। ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म पर एक ट्रेंड्स कॉलम होता है जहां सबसे ज्यादा चर्चित विषयों को वाक्यांशों या हैशटैग के रूप में एक साथ रखा जाता है।

गृहमंत्री अमित शाह का जम्मूकश्मीर पर फोकस

प्रेम शर्मा

कश्मीर में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई समाज सुधार के नाम पर आतंक फैलाने में लगी है। आईएसआई ने कार्यकताओं का नेटवर्क बनाया है जो महिला सशक्तीकरण और पर्यावरण संरक्षण के नाम पर राष्ट्रविरोधी एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। ये कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर अलगाववादी सोच का समर्थन करते हैं और भारत की नकारात्मक छवि पेश करते हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और उसके पाले हुए आतंकी संगठन अब समाज सुधार के नाम पर कश्मीर में आतंक और अलगाववाद के विचारों के पोषण में जुटे हैं।पाकिस्तानी हैंडलरों ने ऐसे तथाकथित कार्यकताओं का नेटवर्क तैयार कर लिया है, जो कभी महिला सशक्तीकरण और कभी पर्यावरण संरक्षण की आड़ लेकर राष्ट्रविरोधी एजेंडे को हवा देते हैं। यह कार्यकर्ता इंटरनेट मीडिया से लेकर अन्य मंचों का धड़ल्ले से प्रयोग करते हैं और राष्ट्रविरोधी गतिविधियां चलाते हैं। वे भारत की नकारात्मक छवि देश-दुनिया में गढ़ने में जुटे रहते हैं। इनका नेटवर्क कश्मीर से लेकर कुवैत व तुर्किये में फैला है। आरोपितों में व्यापारी, सरकारी कर्मी से लेकर युवा शामिल हैं। खूफिया तंत्रों से मिल रहे इन्पुट के आधार पर भारत सरकार के गृहमंत्री अमित शाह ने पिछले कुछ दिनों में कई ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिये जो इस नेटवर्क की रीढ़ तोड़ने के लिए काफी होंगे। अभी ऐसे कई और फैसले भारत सरकार का गृह मंत्रालय ले सकता है जो इस नेटवर्क की नींद हराम कर देगा। अभी हाल में श्रीनगर, अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, हंदवाड़ा, कुपवाड़ा और बारामुला में की गई छापेमारी में कुछ आपत्तिजनक डिजिटल सुबूत बरामद हुए हैं और मोबाइल फोन, सिमकार्ड और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए हैं। इसके बाद से गृहमंत्री प्रतिदिन जम्मूकश्मीर को लेकर वृहद रणनीति पर कार्य कर रहे है।

गृहमंत्री ने बीते कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर से जुड़े 18 बड़े निर्णायक लिए जिसका सीधा सरोकार वहा के अमनचौन और विकास से जुड़ा है। पाँच लाख हिंदू और सिख परिवारों को कश्मीर की नागरिकता, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती की सभी विशेष शक्तियाँ वापस और दोनों नेताओं का जम्मू-कश्मीर नेशनल यूनिवर्सिटी पर रहा नियंत्रण समाप्त कर दिया गया। हिंदू मंदिरों पर से सरकारी नियंत्रण खत्म, 1990 के अवैध कब्जों के खिलाफ अब कोई भी स्थानीय प्राधिकरण शिकायत दर्ज कर सकेगा। उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती को पहले जो कानूनी सुरक्षा मिली हुई थी, उसे खत्म कर दिया गया हैय अब उन्हें पब्लिक सेफ्टी एक्ट में ट्रायल किया जा सकेगा और किसी भी जेल में, यहाँ तक कि राज्य के बाहर भी, रखा जा सकता है। सचिवालय का वार्षिक स्थानांतरण अब समाप्त कर दिया गया है, और यह स्थायी रूप से जम्मू में ही रहेगा। जम्मू-कश्मीर की सभी सुविधाएँ अब सीधे केंद्र सरकार से जनता तक पहुँचेंगी, राज्य सरकार का हस्तक्षेप नहीं होगा। वहाँ की जनता के पुराने रिकॉर्ड और दस्तावेजों की गहन जाँच की जा रही है।उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती से सरकारी आवास और गाड़ियों की सुविधा भी हटा दी गई है। दिल्ली जिन विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम नियंत्रित करती है, अब उनमें बदलाव किया जा रहा है। हिंदू मंदिरों के ट्रस्ट अब सीधे गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करेंगे। कश्मीर वक्फ बोर्ड अब दिल्ली वक्फ बोर्ड के अधीन कर दिया गया है। 1990 में कश्मीरी पंडितों को भगाने के बाद जो जमीनें जबरन खरीदी या कब्जाई गई थीं, उनके फर्जी रजिस्ट्रेशन अब रद्द होंगे। यह बेहद अहम कदम है क्योंकि इतने वर्षों में किसी सरकार ने इस मुद्दे पर ठोस कार्रवाई नहीं की थी। पर्यटन विभाग और वन विभाग अब सीधे दिल्ली के नियंत्रण में होंगे ताकि बाहरी घुसपैठियों को स्थानीय स्तर पर मिलने वाली मदद पर रोक लग सके। कश्मीर के मुख्यमंत्री की प्रोटोकॉल रैंक घटाकर राष्ट्रपति की सूची में 7वें से 15वें स्थान पर कर दी गई है। इससे उनके विश्वविद्यालय बोर्ड और वक्फ बोर्ड पर रहे अधिकार भी समाप्त हो गए हैं। कई कश्मीरी आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। बैंकों को राज्य सरकार के नियंत्रण से मुक्त कर दिया गया है, जिससे कश्मीरी पंडितों और बाहरी निवेशकों के लिए निवेश का रास्ता आसान होगा। ये ऐसे फैसले किए गए जो यहॉ के आमअवाम के लिए काफी महत्वपूर्ण माने जा रहै। वैसे भी 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त किया। जिससे जम्मू और कश्मीर को पहले मिली स्वायत्तता समाप्त हो गई। अब जम्मू और कश्मीर पर भारत के संविधान के सभी प्रावधान और केंद्रीय कानून लागू होते हैं। इसको लेकर अलगाववादियों की बौखलाहट का आभास सरकार को पहले ही था। वैसे तो कश्मीर में आतंकी और अलगाववादी एजेंडे को जिंदा रखने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई पहले भी तथाकथित पत्रकारों और बुद्धिजीवियों का इस्तेमाल करती रही है। वह इनका इस्तेमाल दुनियाभर में कश्मीर के मुद्दे पर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में करती आई है। कई हवाला व आतंकियों की मदद करने के आरोप में पकड़े जा चुके है। खुर्रम परवेज नामक एक कथित मानवाधिकारवादी कुछ वर्ष से जेल में है। मोहम्मद अहसान उंतु हवाला मामले में पकड़ा जा चुका है। कथित पत्रकार इरफान मेहराज भी अलगाववादी एजेंडे को आगे चलाता था। आसिफ सुल्तान भी अलगाववादी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जेल जा चुका है। पिछले दिनों सोशल एक्टिविस्टों के नाम पर तैयार की जा रही जिहादी तत्वों की एक नई फौज खड़ी करने के आईएसआई के षड्यंत्र को नाकाम कर, जब्त किए गए डिजिटल सुबूतों से साजिश के साक्ष्य मिलेगें और गिरफ्तारियां भी होगी।

किसी उत्सव के लायक नहीं है जी .एस .टी . दरों में कटौती

पी. चिदम्बरम

आर.बी.आई. के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित होने वाला एक लेख, जिसका मैं हर महीने बेसब्री से इंतजार करता हूं, वह है अर्थव्यवस्था की स्थिति। इसकी शुरूआत में एक चेतावनी है जो मुझे हमेशा प्रभावित करती है। इसमें लिखा है, उप-गवर्नर डा. पूनम गुप्ता द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों का आभार। इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। यह कोई रहस्य नहीं है कि गवर्नर की स्वीकृति के बिना आर.बी.आई. का एक भी शब्द बच नहीं सकता। यहां तक कि किसी उप-गवर्नर का अकादमिक शोधपत्र या भाषण भी गवर्नर द्वारा अनुमोदित होता है। कोई भी इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेता और लेख को व्यापक रूप से पढ़ा जाता है और खूब उद्धृत किया जाता है। लेख में एक शब्द कई बार आता है अनिश्चितता। सरकार और आर.बी.आई. द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बावजूद, मुद्रास्फीति, कीमतों, रोजगार, वेतन और मजदूरी, निवेश, आय कर और विदेशी व्यापार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। यह अनिश्चितता गैर-आर्थिक क्षेत्रों जैसे सार्वजनिक परीक्षा, मतदाता सूची और चुनाव, कानून और उनका क्रियान्वयन, विदेश नीति, पड़ोस नीति आदि पर भी फैल रही है। दरअसल अनिश्चितता ही देश की वर्तमान स्थिति को परिभाषित करती है।मौजूदा अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों के लिए ठप्प का जवाब वही चिर-परिचित रट है कि अर्थव्यवस्था लचीली है। सरकार की तरह, ठप्प भी तिनके का सहारा ले रहा है। सबसे ताजा तमाशा जी.एस.टी. दरों में कटौती है। आर.बी.आई. दरों में कटौती को ऐतिहासिक जी.एस.टी. सुधार बता रहा है। कर की ऊंची और बहुविध दरों में कटौती जो मूल पाप थे, आखिर सुधारात्मक क्या है? जी.एस.टी. कानूनों का डिजाइन गलत था, कर ढांचा गलत था, नियम और कानून गलत थे, कर दरें गलत थीं और जी.एस.टी. कानूनों का क्रियान्वयन गलत था। मेरी राय में, त्रुटिपूर्ण बहुविध कर दरों को सुधारना कोई क्रांतिकारी सुधार नहीं है। हालांकि, जी.एस.टी. दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी है। जी.एस.टी. दरों में कटौती से उपभोक्ताओं के हाथ में लगभग 2,00,000 करोड़ रुपए आने की उम्मीद है। 2025-26 में 357,00,000 करोड़ रुपए के नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले अतिरिक्त धन 0.56 प्रतिशत है। भारत में वार्षिक खुदरा बाजार का अनुमान 82,00,000 करोड़ रुपए है और अतिरिक्त धन 2.4 प्रतिशत होगा। अतिरिक्त खुदरा व्यय से उपभोग तो बढ़ेगा लेकिन अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है। इसके अलावा 2,00,000 करोड़ रुपए का सारा हिस्सा उपभोग में नहीं जाएगा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, घरेलू ऋण बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत हो गया है और घरेलू बचत घटकर सकल घरेलू उत्पाद का 18.1 प्रतिशत रह गई है।इसलिए, परिवारों के हाथ में जीएसटी का कुछ धन ऋण कम करने में और कुछ बचत बढ़ाने में जाएगा। मैं मानता हूं कि उपभोग व्यय में वृद्धि होगी लेकिन क्या इससे उपभोग, उत्पादन और निवेश के चक्र को कोई महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा? सरकारी अर्थशास्त्रियों को छोड़कर सभी ने इस प्रश्न पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा है।वित्त मंत्रालय और आर.बी.आई. एक ही राग अलाप रहे हैं। 19 जून, 2025 को वित्त मंत्रालय की सलाहकार समिति को प्रस्तुत एक शोधपत्र में, पहली तीन स्लाइडों (पृष्ठों) के शीर्षक इस प्रकार हैं- वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के उच्च स्तर से ग्रस्त है। वैश्विक व्यापार और निवेश में मंदी आ गई है।इस पृष्ठभूमि में, भारत का आर्थिक प्रदर्शन मजबूत रहा है।अज्ञात कारणों से, मुख्य आर्थिक सलाहकार कठोर सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए न तो इच्छुक हैं और न ही सक्षम। कठोर सुधार प्रधानमंत्री के जीवन को आसान बनाने और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के आह्वान से कहीं आगे जाते हैं। खुला और प्रतिस्पर्धी रू भारत को एक खुली और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनना होगा। हमारा अनुभव रहा है कि जब एक दरवाजा खुलता है तो एक खिड़की बंद हो जाती है। एक खुली अर्थव्यवस्था को दुनिया के सभी देशों के साथ व्यापार के लिए खुला होना चाहिए। एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें अधिक द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों को अपनाना होगा। एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था को चिप्स, जहाज और बाकी सबकुछ नहीं बनाना चाहिए क्योंकि वह ऐसा नहीं कर सकती। हमें केवल वही चीजें (वस्तुएं और सेवाएं) बनानी चाहिएं जिन्हें हम प्रतिस्पर्धी रूप से बना सकें। एक और कठिन सुधार है विनियमन-मुक्ति। कानून प्रवर्तन से लेकर कर प्रशासन तक, हर कोई नियम और कानून बनाना पसंद करता है। मंत्रियों को विधेयकों की जानकारी तो दी जाती है लेकिन नियमों, विनियमों, प्रपत्रों, अधिसूचनाओं, दिशा-निदेशों आदि के बारे में उन्हें अंधेरे में रखा जाता है।

भारत के दरवाजे हमारे लिये 24 घंटे खुले रहते हैं

इफ्क्ष्ठर, जो मूलतः ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता के साथ शुरू हुआ था, वह हाल के वर्षों में तेजी से विस्तारित हुआ है। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस मंच से जुड़े, वहीं 2025 में इंडोनेशिया इसका हिस्सा बना। एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के तहत फिलस्तीन ने इफ्क्ष्ठर समूह में सदस्यता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। यह कदम उस समय सामने आया है जब लगातार कई देश फिलस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता प्रदान कर रहे हैं। रूस में फिलस्तीन के राजदूत अब्देल हाफिज नोफल ने पुष्टि की है कि आवेदन दायर किया जा चुका है और अब उत्तर की प्रतीक्षा की जा रही है। उनका कहना है कि जब तक परिस्थितियाँ अनुकूल नहीं होतीं, फिलस्तीन अतिथि सदस्य के रूप में भागीदारी कर सकता है। हम आपको बता दें कि इफ्क्ष्ठर, जो मूलतः ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता के साथ शुरू हुआ था, वह हाल के वर्षों में तेजी से विस्तारित हुआ है। वर्ष 2024 में मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात इस मंच से जुड़े, वहीं 2025 में इंडोनेशिया इसका हिस्सा बना। चीन ने इस विस्तार का स्वागत करते हुए संकेत दिया है कि ₹समान विचारधारा वाले साझेदार₹ इफ्क्ष्ठर के लिए उपयुक्त हैं। बीजिंग का स्पष्ट संदेश है कि यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों को सशक्त आवाज देने और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था स्थापित करने का मंच बन चुका है। देखा जाये तो फिलस्तीन की इस पहल का समय बेहद महत्वपूर्ण है। एक ओर पश्चिमी देशों की स्थिति वर्षों से इजराइल-समर्थक रही है, वहीं हाल के सप्ताहों में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, पुर्तगाल और ब्रिटेन जैसे देशों ने फिलस्तीन को औपचारिक मान्यता प्रदान कर दी है। यह इस बात का संकेत है कि पश्चिमी राजनीतिक परिदृश्य में भी बदलाव आ रहा है। फिलस्तीन यदि इफ्क्ष्ठर से जुड़ता है तो यह न केवल प्रतीकात्मक होगा बल्कि उसकी कूटनीतिक स्थिति को भी मजबूती देगा। हम आपको बता दें कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से फिलस्तीन के आत्मनिर्णय और स्वतंत्र राष्ट्र की आकांक्षा का समर्थन किया है। महात्मा गांधी से लेकर जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी तक की नीतियों में फिलस्तीन के प्रति सहानुभूति और समर्थन स्पष्ट रहा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी फिलस्तीन के पक्ष में मतदान किया है और उसकी विकासात्मक सहायता में योगदान दिया है। हालांकि, पिछले दो दशकों में भारत-इजराइल संबंधों में उल्लेखनीय निकटता आई है। रक्षा, प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे क्षेत्रों में सहयोग ने नई दिशा दी है। इसके बावजूद भारत ने संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखा है– एक ओर इजराइल के साथ रणनीतिक साझेदारी, दूसरी ओर फिलस्तीन के राष्ट्र की मान्यता और सहायता। हम आपको बता दें कि इफ्क्ष्ठर का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय व राजनीतिक संस्थाओं में सुधार लाना और विकासशील देशों को मजबूत आवाज देना है। यदि फिलस्तीन इस संगठन का हिस्सा बनता है तो भारत के सामने संतुलन साधने की चुनौती होगी। एक ओर भारत को ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं और ऐतिहासिक रुख का समर्थन करना होगा, वहीं दूसरी ओर इजराइल के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों को भी ध्यान में रखना पड़ेगा। भारत के लिए यह अवसर भी है कि वह मध्य-पूर्व में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने वाला मध्यस्थ बनकर उभरे। भारत ₹रणनीतिक स्वायत्तता₹ की अपनी नीति के तहत यह साबित कर सकता है कि वह पश्चिम और पूर्व के बीच संतुलन साधने में सक्षम है। देखा जाये तो फिलस्तीन का इफ्क्ष्ठर में आवेदन केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नए वैश्विक समीकरण का संकेत है। इफ्क्ष्ठर अब केवल आर्थिक सहयोग का मंच नहीं रहा, बल्कि यह विश्व राजनीति में शक्ति संतुलन का प्रतीक बन चुका है। भारत के लिए यह समय है कि वह फिलस्तीन की आकांक्षाओं का समर्थन करते हुए शांति, न्याय और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के अपने संकल्प को मजबूती से रेखांकित करे। हम आपको यह भी बता दें कि भारत और फिलस्तीन के बीच संबंध ऐतिहासिक रूप से भावनात्मक और कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे हैं। भारत में फिलिस्तीनी राजदूत के बयान ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया है कि नई दिल्ली और रामल्लाह के बीच संबंध विश्वास और सहयोग की मजबूत नींव पर टिके हुए हैं। फिलस्तीनी राजदूत ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत फिलिस्तीनी जनता के लिए ठोस और महत्त्वपूर्ण काम कर रहा है। उन्होंने कहा है कि भारत फिलिस्तीन में कई विकास परियोजनाओं में कार्यरत है, जिनमें एक मिलियन डॉलर का अस्पताल भी शामिल है। इसके अलावा भारत संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए (UNRWA) का भी समर्थन करता है, जो फिलिस्तीनी शरणार्थियों की देखभाल करती है। फिलिस्तीनी राजदूत ने भारत के प्रति गहरी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कभी किसी मुद्दे पर चर्चा की आवश्यकता होती है, तो भारतीय विदेश मंत्रालय 24 घंटे खुला रहता है। यह बयान केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि गहरे भरोसे और सहयोग की गवाही है।

भारत-पाकिस्तान मैच का आंखों देखा हाल सुनाएंगे अजय गोयल, जानें किस जिले से रखते हैं संबंध

हिमाचल के अजय गोयल दुबई में रविवार को एशिया कप के भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले फाइनल मैच का आंखों देखा हाल सुनाएंगे। उनका आकाशवाणी के कमेंट्री पैनल में ऑफिशियल स्कोरर के रूप में चयन होना हिमाचल प्रदेश के लिए एक उपलब्धि है। दुबई में रविवार को एशिया कप के भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले फाइनल मैच का आंखों देखा हाल हिमाचल के अजय गोयल सुनाएंगे। उनका चयन आकाशवाणी के कमेंट्री पैनल में बतौर ऑफिशियल स्कोरर हुआ है। अजय मौजूदा समय में एचपीसीए और बीसीसीआई पैनल स्कोरर और स्टेटिसस्टिशियन का कार्यभार देख रहे हैं। जानकारी के अनुसार एशिया कप का फाइनल मुकाबला रविवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला जाना है। इस मैच का आकाशवाणी पर आंखों देखा हाल हिंदी और अंग्रेजी में सुनाया जाएगा। इसके लिए अजय गोयल का चयन हुआ है।

पूरी तरह ढका है वेन्यू, ऐसे पहुंचीं टेलर स्विफ्ट; सेलेना की शादी के बीच वायरल तस्वीरें

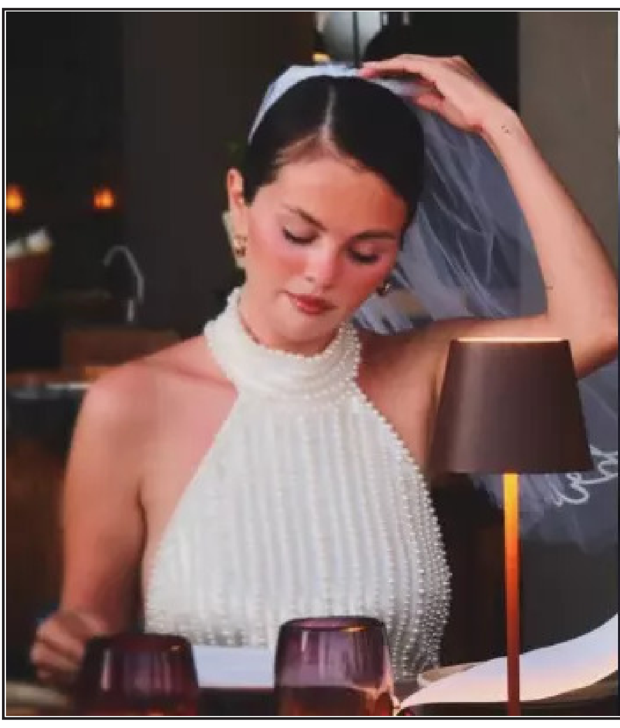

मशहूर अमेरिकी एक्ट्रेस और सिंगर सेलेना गोमेज ने अपने बॉयफ्रेंड बेनी ब्लैंको के साथ 27 सितंबर को शादी रचाई है। शादी की खबरों के बीच तमाम वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सेलेना गोमेज ने अपने बॉयफ्रेंड बेनी ब्लैंको को अपना हमसफर बना लिया है। करीब दो साल एक-दूजे के साथ रहने के बाद कपल ने 27 सितंबर को आधिकारिक रूप से शादी कर ली है। दोनों ने सोशल मीडिया पर खास पलों की फोटोज फैंस के साथ शेयर की हैं। सेलेना की शादी की खबरों के बीच सोशल मीडिया पर तमाम वीडियो भी वायरल हो रहे हैं, जो कथित तौर पर सेलेना की शादी से संबंधित बताए जा रहे हैं। शादी के कार्ड की जिम्मेदारी मैक्सिकन कंपनी को सौंपी गई अभिनेत्री सेलेना गोमेज ने अपनी शादी को हर तरीके से खास बनाने का इंतजाम किया। अपने ड्रेस से लेकर शादी के कार्ड और वेन्यू तक, हर चीज स्पेशल रही। कहा जा रहा है कि सेलेना गोमेज ने अपनी शादी के निमंत्रण कार्ड्स के लिए मैक्सिकन कंपनी का चुनाव किया और इसे जिम्मेदारी सौंपी। शादी के कार्ड की झलक भी वायरल हो रही है। हालांकि, यह वीडियो रियल है या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वेडिंग वेन्यू का एरियल व्यू वायरल सेलेना और बेनी ब्लैंकों की शादी के वेन्यू को लेकर भी काफी चचाएं चल रही हैं। सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज भी वायरल हो रही हैं, जो कथित तौर पर सेलेना के वेडिंग वेन्यू की हैं। बताया जा रहा है कि यह वेडिंग वेन्यू की एरियल व्यू वाली फोटोज हैं। यहीं कपल ने एक-दूसरे को हमसफर बनाया। टेलर स्विफ्ट ने की निजी लॉज की व्यवस्था सेलेना और बेनी ब्लैंकों की शादी में कई वीआईपी गेस्ट शामिल हुए। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा टेलर स्विफ्ट की हो रही है। वायरल फोटोज में मैरून कलर की ड्रेस में टेलर स्विफ्ट नजर आ रही हैं। सेलेना ने अपनी शादी में आए मेहमानों के रुकने के लिए शाही इंतजाम किए। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो टेलर स्विफ्ट मेहमानों के साथ नहीं ठहरीं। उन्होंने कैलिफोर्निया के मोंटेसिटो में वेडिंग वेन्यू के पास एक निजी लॉज की व्यवस्था की। सेलेना ने शेयर कीं शादी की फोटोज सेलेना ने बेनी ब्लैंको से शादी के बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। कैप्शन में उन्होंने शादी की तारीख- 27-9-2025 का जिक्र किया है। सेलेना व्हाइट गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। वहीं, बेनी ब्लैंको ने ब्लैक आउटफिट पहने। दोनों किसी राजकुमार और राजकुमारी जैसे लग रहे हैं।

तुम्हें पाकर मैं धन्य हूं..बेटे रणबीर के बर्थडे पर नीतू कपूर ने दिल खोलकर लुटाया प्यार, पोस्ट वायरल

बॉलीवुड के चमकते सितारे रणबीर कपूर रविवार को अपना 43वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी मां और एक्ट्रेस नीतू कपूर ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावनात्मक पोस्ट शेयर की है। अपने पोस्ट में एक्ट्रेस ने बेटे के लिए अपना प्यार जाहिर किया है, जिस पर फैंस और अन्य सेलेब्स के खूब कमेंट्स आ रहे हैं। नीतू कपूर ने बेटे को बर्थडे विश करते हुए एक प्यारी तस्वीर शेयर की है जिसमें वह रणबीर और उनकी प्रेमिका आलिया भट्ट के साथ फैमिली टाइम का आनंद लेते नजर आ रही हैं। फोटो में आलिया और रणबीर हल्की मुस्कान के साथ एक-दूसरे के सिर को छूते दिखाई दे रहे हैं, जबकि नीतू उनके बगल में बैठी हैं और बेटे के साथ इस खास पल का आनंद ले रही हैं। इस तस्वीर के साथ नीतू कपूर ने कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे बेटे। तुम्हें पाकर मैं खुद को बहुत धन्य पाती हूं। वहीं, रणबीर की बहन रिद्धिमा कपूर साहनी ने भी अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इनमें एक दुर्लभ और अनदेखी तस्वीर शामिल है, जिसमें रणबीर अपने माता-पिता, दिवंगत ऋषि कपूर और नीतू कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। रिद्धिमा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, हमारे परिवार के रॉकस्टार को। हैप्पी बर्थडे, लव यू भाई।नीतू और रिद्धिमा का ये पोस्ट देख सोशल मीडिया पर फैंस और बॉलीवुड की कई हस्तियां भी रणबीर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रही हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे। इसके अलावा वह नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

डेटिंग रूमर्स के बीच फिर साथ दिखे सामंथा-राज निदिमोरु, एक्ट्रेस के घटे हुए वजन को देख चौंके फैंस

पिछले कुछ वक्त से एक्ट्रेस सामंथा रूथ का नाम डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है। हाल ही में दोनों को एक अवॉर्ड इवेंट में साथ देखा गया। इस मौके पर सामंथा के वेट लॉस ने फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। सामंथा रूथ एक अवॉर्ड इवेंट में नजर आईं। इस मौके पर उनका लुक काफी चर्चा में रहा। साथ ही इसी इवेंट में कई सेलिब्रिटीज को देखा गया। सामंथा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड और डायरेक्टर राज निदिमोरु भी यहां मौजूद दिखे। राज ने सामंथा को गले लगाया इवेंट के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक वीडियो में सामंथा को राज निदिमोरु गले लगाते हुए दिखे। सामंथा कुछ लोगों से राज की मुलाकात करवाती हैं। दोनों काफी देर तक बातें करते हैं। सामंथा राज के साथ काफी खुश नजर आ रही हैं। अवॉर्ड इवेंट में नजर आए ये सेलेब्स सामंथा रूथ जिस इवेंट में पहुंचीं उसमें कई और सेलेब्स भी दिखाई दिए। इस लिस्ट में बिग बॉस 18 फेम यामिनी मल्होत्रा, सिंगर कनिका कपूर, एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी, शामिल रही हैं। इन सभी के ग्लैमरस लुक ने अवॉर्ड नाइट की रौनक बढ़ा दी। सोनाली कुलकर्णी को मिला अवॉर्ड सीरीज मानवत मर्डर्स के लिए सोनाली कुलकर्णी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। इस सीरीज में उन्होंने एक नेगेटिव रोल किया था। मुंबई में शनिवार रात इंडियन स्ट्रीमिंग एकेडमी अवॉर्ड हुए, जहां बॉलीवुड, टीवी जगत की कई हस्तियां नजर आईं।

दर्द को कैसे बयां करूं..भगदड़ की घटना पर विजय थलापति का रिएक्शन, मृतकों को 20 लाख तो घायलों 2 लाख का देंगे मुआवजा

मशहूर तमिल एक्टर और तमिलागा वेत्री कझगम पार्टी के अध्यक्ष थलापति विजय ने शनिवार को तमिलनाडु के करूर में एक रैली की, जहां भगदड़ मच गई और इसमें करीब 39 लोगों मारे गए और कइयों के घायल होने की खबर है। इस घटना के सामने आते ही लोगों का दिल दहल गया है। देश के पीएम मोदी से लेकर कई सेलेब्स ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया। वहीं, अब हाल ही में इस घटना पर खुद विजय ने अपना रिएक्शन दिया है और पीड़ितों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया है। थळापति विजय की टीम की तरफ से ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक ट्वीट किया गया, जिसमें लिखा है- मेरे दिल में बसने वाले सभी लोगों को नमस्कार, कल करूर में जो हुआ, उसे सोचकर मेरा दिल और दिमाग बेहद भारी है। इस बेहद दुखद स्थिति में, मैं अपने रिश्तेदारों को खोने के दर्द को कैसे बयां करूं, यह समझ नहीं आ रहा। मेरी आँखें और मन व्यथित और व्यथित हैं। कल (शनिवार) को करूर में जो भीषण हादसा हुआ है, उसके बारे में सोचकर मेरा दिल और दिमाग पर बेहद भारी आघात पहुंचा है। उन्होंने आगे लिखा- इस दुख की खड़ी में, मैं अपने करीबियों का दर्द कैसे बांटू, जिन्होंने अपने को खोया है। इस अनहोनी को लेकर मेरी आंखें नम और मन व्यथित है। आप सभी के चेहरे जिनसे मैं मिला, मेरे जहन में उभर आते हैं। प्यार और स्नेह देने वाले मेरे अपनों के बारे में सोचकर दुख और गहरा जाता है। आगे मुआवजे का ऐलान करते हुए एक्टर ने कहा- ये एक ऐसा नुकसान है, जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। चाहें कोई भी कितनी सांत्वना दे, हम अपने लोगों के नुकसान को सहन नहीं कर सकते। फिर भी आपके परिवार का एक सदस्य होने के नाते, मैं उन सभी रिश्तेदारों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये देना चाहता हूँ जिन्होंने इस भगदड़ में अपनों को खो दिया है और जो पीड़ित हैं, और जो घायल हैं और जिनका इलाज चल रहा है, उन्हें 2-2 लाख रुपये देना चाहता हूँ। मैं जानता हूं कि इस नुकसान के सामने ये बहुत छोटी रकम है। लेकिन इस दुख की घड़ी में आपका अपना होने के चलते में मैं हर पल आपके साथ खड़ा हूं। घायलों के लिए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे जल्द स्वस्थ हों, वाकई ये दुख सहन करना बेहद असंभव है। तमिलनाडु पुलिस के मुताबिक, थलापति विजय की रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमिशन थी। लेकिन, 1 लाख 20 हजार स्क्वायर फीट एरिया में 50 हजार से ज्यादा लोग जमा हो गए। इस दौरान एक्टर 6 घंटे की देरी से पहुंचे। विजय को बताया गया कि 9 साल की एक बच्ची गुम गई थी। उन्होंने मंच से उसे तलाशने की अपील की, जिसके बाद वहां भगदड़ के हालात बन गए।

जुबीन गर्ग की याद में गुवाहाटी विश्वविद्यालय का ऐतिहासिक निर्णय, सिंगर के नाम पर रखा कला एवं संस्कृति केंद्र का नाम

फेमस सिंगर जुबीन गर्ग अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनकी 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से मौत हो गई, जिसने उनके चाहने वालों को हिला कर रख दिया। जुबीन के निधन के बाद अभी तक भी उनके फैंस, करीबी और कई बड़ी हस्तियां उन्हें श्रद्धांजलि देती नजर आ रही हैं। वहीं, हाल ही

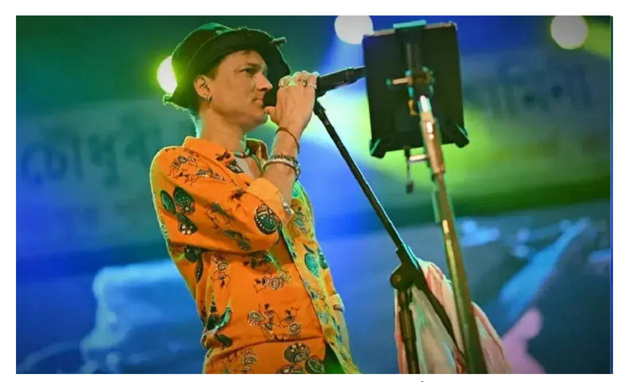

में गुवाहाटी विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला और संस्कृति केंद्र का नाम अब सिंगर जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा, लोकप्रिय गायक और युवाओं के प्रेरक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि देने तथा उनकी अमर रचनाओं को संरक्षित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने चार प्रमुख प्रस्तावों को स्वीकार किया है।उनके निधन के बाद विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन कला और संस्कृति केंद्र का नाम जुबीन गर्ग के नाम पर रखने का फैसला लिया है, ताकि उनके योगदान को हमेशा याद रखा जा सके। गायक की याद में केंद्र के सामने उनकी प्रतिमा स्थापित की जाएगी और उनके जीवन तथा संगीत यात्रा पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक भी प्रकाशित की जाएगी। युवा कलाकारों को प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने यह भी निर्णय लिया है कि उनके अंतर-कॉलेज युवा महोत्सव में गायन प्रतियोगिता में जुबिन गर्ग के गीत नामक एक विशेष श्रेणी जोड़ी जाएगी। इससे छात्रों को जुबिन गर्ग के संगीत और उनके अद्वितीय गायन शैली को करीब से जानने और अनुभव करने का मौका मिलेगा। जुबीन गर्ग ने अपने करियर में सैकड़ों सुपरहिट गानों को आवाज दी है। विशेष रूप से 1998 में रिलीज हुई फिल्म दिल से के संगीत में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। आईएमडीबी के अनुसार, जुबिन ने अब तक 222 फिल्मों में अपने सुरों और संगीत के जादू से लोगों का दिल जीता है।

जानवर द बीस्ट विदिन: अपराध की तह में छिपी है समाज की कड़वी सच्चाई

जब कोई धारावाहिक रोमांचक अपराध कथा को गहन सामाजिक मुद्दों, समृद्ध लोककथाओं, पौराणिक प्रसंगों और मानवीय संवेदनाओं के साथ जोड़ता है, तब यह निश्चित होता है कि आपको एक अद्वितीय देखने योग्य अनुभव मिलने वाला है। जनावर भीतर का दरिंदा बिल्कुल वैसा ही है। एक प्रभावशाली अपराध-रोमांचक कथा, जिसमें भावनाएँ और तीव्रता का ऐसा संगम है कि यह आरंभिक दृश्य से ही आपको बांध लेती है।

क्यों जानवर द बीस्ट विदिन आपके सप्ताहांत देखने की सूची में होना चाहिए

1. अपराध का ऐसा जाल जो बनाए रखता है उत्सुकता

एक सिरकटी लाश, लापता हुआ सोना और रहस्यमय ढंग से गायब हुआ व्यक्तिकृजनावर द भीतर का दरिंदा आपको सीधे एक भयावह और अस्थिर कर देने वाली रहस्यमय दुनिया में पहुंचा देता है। हर मोड़ एक नई परत खोलता है और आपको लगातार यह सोचने पर विवश करता है कि वास्तविक अपराधी कौन है, कौन क्या छिपा रहा है और इन सभी सूत्रों का आपस में क्या संबंध है।

2. नायक जो फंसा है दो पाटों के बीच

उप-निरीक्षक हेमंत (भुवन अरोड़ा) पारंपरिक नायक नहीं हैं। वह अपनी कर्तव्यनिष्ठा और निजी संघर्षों के बीच जूझते हुए व्यक्ति हैं। उनकी यह यात्रा, जिसमें संवेदनशीलता और तीव्रता दोनों हैं, दर्शकों को उनसे भावनात्मक रूप से जोड़ती है और कथा में गहराई उत्पन्न करती है।

3. जाति और पहचान की पड़ताल

रोमांच और रहस्य से परे, जनावर भीतर का दरिंदा समाज की कठोर सच्चाइयों से टकराती है विशेष रूप से जातिगत भेदभाव और व्यवस्था की कड़वी वास्तविकताओं से। मूल रूप से यह कथा है पहचान, गरिमा और स्वीकार्यता के संघर्ष की, जो इसे उतना ही सार्थक बनाती है जितना रोचक।

4. भुवन अरोड़ा का प्रभावशाली अभिनय

फर्जी में दर्शकों का दिल जीतने के बाद, भुवन अरोड़ा एक बार फिर उप-निरीक्षक हेमंत कुमार के रूप में अपनी प्रतिभा सिद्ध करते हैं। उनके अभिनय में संवेदनशीलता और कठोरता का संतुलित मेल दिखाई देता है, जिससे यह उनके सबसे प्रभावशाली पात्रों में से एक बन जाता है।

5. शचिन्द्र वत्स का सशक्त निर्देशन

निर्देशक शचिन्द्र वत्स अपराध, सामाजिक टिप्पणी और मानवीय नाट्य को अत्यंत संतुलन से पिरोते हैं। उनकी निर्देशन शैली कथा को वास्तविकता से जोड़कर रखती है और साथ ही तनाव व रोमांच को निरंतर बढ़ाती है। यही कारण है ।

कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी एकता कपूर? पोस्ट के जरिए उठाया सच से पर्दा

टीवी की दुनिया में एकता कपूर के सीरियल्स का बोलबाला रहता है। आज भी उनके बनाए सीरियल टीवी पर दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। प्रोड्यूसर एकता अब कोरियन ड्रामा का हिस्सा बन सकती हैं? इस खबर को लेकर खुद ही अपडेट दिया है। प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने करियर में कई हिट टीवी सीरियल बनाए हैं, ज्यादातर के नाम की शुरूआत क शब्द से होती थी। इसमें कसौटी जिंदगी की से लेकर क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 जैसे सीरियल शामिल रहे। हाल ही में एक पोस्ट के जरिए एकता ने कोरियल ड्रामा में शामिल होने वाली खबर को लेकर अपडेट दिया। सच में एकता कोरियन ड्रामा का पार्ट बनेंगी? अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एकता कपूर ने एक स्टोरी पोस्ट की। इसमें वह

कहती हैं, मैं ओजी क्वीन हूं ड ड्रामा की (क्योंकिङ्क जैसे सीरियल को लेकर कही ये बात)। मैं आपके लिए एक अपडेट लाई हूं। मैं कोरियन ड्रामा में नजर आऊंगी। दो दिन बाद सरप्राइज देंगी एकता कपूर अपनी पोस्ट के साथ एकता कपूर ने लिखा है, सरप्राइज 29 सितंबर 1 बजे। देखना होगा कि क्या वह सच में कोरियन ड्रामा में नजर आएंगी या फिर किसी हिट कोरियन ड्रामा का हिंदी में रीमेक बनाएंगी। कोरियन ड्रामा की बात करें तो इनकी भारत में काफी फैन फॉलोइंग है, जेन जी कोरियन ड्रामा के बहुत बड़े फैन हैं। एकता कपूर का करियर फ्रंट एकता कपूर टीवी सीरियल और फिल्में प्रोड्यूस करती हैं।

भारत ने सातवां सैफ अंडर-17 खिताब जीता, पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराया

कोलंबो , भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। भारतीय फुटबॉल टीम ने शनिवार को यहां पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-1 से हराकर सातवां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप खिताब जीता। भारत ने दल्लामुओन गंगटे (चौथे मिनट) और अजलान शाह केएच (38वें मिनट) के गोल की मदद से पहले हाफ में 2-1 की बढ़त बनाई हुई थी लेकिन बांग्लादेश ने आखिरी मिनट में इहसान हबीब रिदुआन के बराबरी के गोल से वापसी कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया जिससे शूटआउट से नतीजा निकला। भारतीय टीम ने जरूरी समय पर संयम बनाए रखा। दल्लामुओन गंगटे, कोरोउ मेइतेई कोंथौजम और इंद्र राणा मगर ने शानदार गोल किए। इसके बाद शुभम पूनिया ने निर्णायक चौथा किक गोल में डाला। वहीं बांग्लादेश की टीम दबाव में बिखर गई। उसके लिए केवल मोहम्मद माणिक ही गोल कर सके।

'जयशंकर ने बिना नाम लिए दिया भाषण, पाकिस्तान की प्रतिक्रिया आतंकवाद की स्वीकारोक्ति', भारत का पलटवार

संयुक्त राष्ट्र , विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में बिना नाम लिए पाकिस्तान को आतंकवाद का केंद्र बताया, जिस पर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी। भारत ने कहा कि जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया था। पाकिस्तान की प्रतिक्रिया साबित करती है कि वह खुद मानता है कि वह सीमा पार आतंक को बढ़ावा देता है। भारत ने दो टूक कहा कि कोई भी दलील आतंकिस्तान के अपराधों को छिपा नहीं सकती। भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में आतंकवाद पर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देने को लेकर पाकिस्तान पर हमला किया है। भारत ने कहा कि जयशंकर ने अपने भाषण में पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया। फिर उसकी प्रतिक्रिया दशार्ती है कि उसने खुद मान लिया है कि वह लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है। जयशंकर ने शनिवार को यूएनजीए की आम चर्चा में अपने संबोधन में कहा था, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए कई बड़े आतंकी हमलों की जड़ें एक ही देश से जुड़ी होती हैं। वैश्विक आतंकवाद का केंद्र बने पड़ोसी देश का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने आजादी के बाद से ही आतंकवाद की चुनौती की सामना किया है। विदेश मंत्री के भाषण के बाद पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने 'राइट टू रिप्लाई' के तहत आरोप लगाया कि आतंकवाद को लेकर भारत के आरोप 'झूठे और दुर्भावनापूर्ण' हैं। जबकि जयशंकर ने अपने भाषण में पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया था। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने आरोप लगाया कि भारत कई बार झूठ दोहराकर पाकिस्तान की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। 'पाकिस्तान केवल पड़ोसियों के लिए ही नहीं, दुनिया के लिए खतरा' इसके जवाब में भारत ने कहा, यह बहुत कुछ कहता है कि एक ऐसा पड़ोसी, जिसका नाम तक नहीं लिया गया, फिर जवाब देकर मानता है कि वह वर्षों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देता आया है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के द्वितीय सचिव रेंतला श्रीनिवास ने कहा, पाकिस्तान की छवि खुद उसके बारे में काफी कुछ कहती है। दुनिया के कई हिस्सों में आतंकवाद को लेकर उसकी पहचान साफ तौर पर देखी जा सकती है। वह न केवल अपने पड़ोसियों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक खतरा है। 'आतंकिस्तान के अपराधों को नहीं छिपा सकता कोई तर्क' उन्होंने आगे कहा, कोई भी तर्क या झूठ आतंकिस्तान (टेररिस्तान) के अपराधों को छिपा नहीं सकता। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने एक बार फिर जवाब देने के लिए मंच लिया। लेकिन जब वह बोलने लगे तो श्रीनिवास हॉल बाहर निकल गए। जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर साधा निशाना जयशंकर ने अपने संबोधन में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे ऐसे देशों की निंदा करें, जो खुलेआम आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति के रूप में अपनाते हैं, जहां बड़े पैमाने पर आतंकी प्रशिक्षण शिविर चलते हैं और आतंकवादियों की सार्वजनिक रूप से सराहना की जाती है। उन्होंने जोर दिया कि आतंकवाद की फंडिंग रोकने और प्रमुख आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने की जरूरत है। जयशंकर ने चेतावनी दी कि आतंकवाद के पूरे नेटवर्क पर दबाव बनाना जरूरी है, क्योंकि जो देश आतंक को समर्थन देते हैं, उन्हें आखिरकार इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। पाकिस्तान का नाम लिए बगैर जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादियों की सूची में कई ऐसे नाम हैं जो एक ही देश से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने कहा कि अप्रैल में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या सीमा पार बर्बरता का उदाहरण है। जयशंकर ने कहा कि भारत ने अपने नागरिकों की रक्षा का अधिकार इस्तेमाल किया और इस हमले के साजिशकताओं और हमलावरों को न्याय के कटघरे में खड़ा किया।

अर्जेंटीना में नशे के सौदागरों का आतंक, तीन युवतियों की तड़पाकर की हत्या; इंस्टाग्राम पर भी किया लाइव

ब्यूनस आयर्स , अर्जेंटीना का ब्यूनस आयर्स तिहरे बर्बर हत्याकांड से थर्रा गया है। बता दें कि राजधानी में तीन युवतियों को तड़पा-तड़पाकर मौत के घाट उतार दिया गया। इस वारदात को ड्रग गिरोह से जुड़े लोगों ने अंजाम दिया है, फिलहाल इस मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में तीन युवतियों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। बता दें कि, इनकी हत्या न सिर्फ बेरहमी से की गई, बल्कि इसे सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर लाइव भी दिखाया गया। ये वारदात नशे के गिरोह से जुड़ी बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में 20 वर्षीय मोरेना वेरदी और ब्रेंडा डेल कास्टिलो, जो आपस में चचेरी बहनें थीं, और 15 वर्षीय लारा गुटिरेज शामिल हैं। इनके शव बुधवार को ब्यूनस आयर्स के दक्षिणी इलाके में एक घर के आंगन में दफन मिले। ये तीनों 19 सितंबर से लापता थीं। पुलिस जांच में हुआ बड़ा खुलासा पुलिस जांच में पता चला कि युवतियों को पार्टी का झांसा देकर एक वैन में ले जाया गया। वहां गिरोह के लोगों ने उन्हें यातनाएं दीं और फिर उनकी हत्या कर दी। इस गिरोह का मकसद दूसरों को डराना और यह संदेश देना था कि उनसे नशीली दवाओं की चोरी करने वालों का यही अंजाम होगा। इंस्टाग्राम पर लाइव किया गया वीडियो अधिकारियों के अनुसार, यह खौफनाक घटना इंस्टाग्राम के एक निजी अकाउंट पर लाइव दिखाई गई, जिसे 45 लोगों ने देखा। हालांकि इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा का कहना है कि उन्हें ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि वीडियो उनके प्लेटफॉर्म पर लाइव किया गया। अर्जेंटीना की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवतियों की यातना इतनी भयानक थी कि उनके शरीर की पहचान करना मुश्किल हो गया। पुलिस का कहना है कि उनके नाखून उखाड़े गए, उंगलियां काटी गईं और उन्हें पीटने के बाद गला घोंटकर मार डाला गया। पुलिस ने अब तक पांच लोगों को किया गिरफ्तार इस मामले में अब तक तीन पुरुष और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पांचवें आरोपी को बोलिविया की सीमा पर मौजूद शहर विलाजोन से पकड़ा गया। लेकिन इस साजिश का मुख्य आरोपी, जो 20 वर्षीय पेरू का नागरिक है, अब भी फरार है। वहीं इस हत्याकांड के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और संसद तक मार्च किया। प्रदर्शनकारियों ने 'लारा, ब्रेंडा, मोरेना' लिखी तख्तियां और बैनर लेकर न्याय की मांग की। परिजनों ने न्याय और दोषियों को कड़ी सजा की मांग की ब्रेंडा के पिता ने कहा, 'महिलाओं की सुरक्षा पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है। मेरी बेटी के साथ जो हुआ, वह किसी जानवर के साथ भी नहीं किया जाता।' लारा की एक रिश्तेदार ने साफ किया कि 15 वर्षीय लारा का ड्रग्स से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने कहा, 'हम सच चाहते हैं और चाहते हैं कि जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा मिले। हम डरेंगे नहीं।'

'US नहीं, चीन है पाकिस्तान का रणनीतिक भविष्य'; ट्रंप की शहबाज-मुनीर से मुलाकात के बाद ख्वाजा आसिफ

इंटरव्यू में आसिफ कई बार बेहद असहज दिखे। जब उनसे सवाल पूछा गया कि पाकिस्तान में असली ताकत राजनीतिक नेतृत्व के पास है या सेना प्रमुख आसिम मुनीर के पास, आसिफ हिचकिचाते हुए दिखाई दिए। इस सवाल पर कि क्या सेना प्रमुख उनसे ताकतवर हैं, आसिफ ने सवाल को यह कह कर टालने की कोशिश की कि ऐसा नहीं है, हालांकि दोबारा पूछने पर उन्होंने कहा कि वो एक राजनीतिक

नियुक्ति हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि वो अपने मुल्क का रणनीतिक भविष्य अमेरिका नहीं बल्कि चीन के साथ देखते हैं। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य कारण चीन का भरोसेमंद होना है, जैसा अमेरिका के साथ नहीं है। खास बात यह है कि ख्वाजा आसिफ का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के अगले ही दिन आया है। ख्वाजा आसिफ ने यह बात ब्रिटिश-अमेरिकी पत्रकार मेहदी हसन को दिए एक इंटरव्यू में कही। पत्रकार हसन ने ख्वाजा आसिफ से पूछा था कि पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान ने अपने 80 प्रतिशत हथियार चीन से लिए हैं, ऐसे में अमेरिका के साथ दोस्ती क्या चीन के साथ संबंधों को खराब कर सकती है। आसिफ ने कहा कि चीन बहुत भरोसेमंद साथी है, उन्होंने हमें पनडुब्बियां और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमान दिए हैं, चीन के साथ हमारा रक्षा सहयोग बढ़ रहा है। अमेरिका व अन्य देशों के साथ ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि वे गैर-भरोसेमंद हैं। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका के संबंध हमेशा लेन-देन जैसे रहे हैं, जबकि पाकिस्तान ने चीन को सदैव शीर्ष सहयोगी माना है। पत्रकार ने आसिफ से दोबारा पूछा कि क्या आपका रणनीतिक भविष्य चीन के साथ माना जाए। जवाब में आसिफ ने हां कहते हुए जोड़ा कि चीन हमारा पड़ोसी है, हम एक दूसरे से सीमाएं और भूगोल साझा करते हैं।

'UNSC में समर्थन के लिए भारत का धन्यवाद', त्रिनिदाद-टोबैगो की प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को कहा शुक्रिया

न्यूयॉर्क , त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए भारत के प्रति गहरी कृतज्ञता जताई। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत ने यूएनएससी में त्रिनिदाद और टोबैगो के स्थायी सीट का समर्थन किया है, इसके लिए वे भारत का धन्यवाद करती हैं। त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने भारत और प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है। दरअसल, उन्होंने यह खुलासा किया कि भारत ने उनके देश के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूनएससी) में सीट हासिल करने के प्रयासों का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'भारत ने हमें यूएन सुरक्षा परिषद की सीट पाने में समर्थन दिया। हमें उस दौरान किसी भी देश की ओर से आपत्ति नहीं मिली। कई देशों ने हमारा साथ दिया और हम भारत के साथ मिलकर आगे भी इस दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हैं।' दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने पर पीएम मोदी की तारीफ कमला प्रसाद-बिसेसर ने पीएम मोदी को विशेष रूप से दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, 'हम प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हैं। उन्होंने न केवल भारत के लोगों के लिए, बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खासकर दक्षिण-दक्षिण सहयोग को आगे बढ़ाने में उनका प्रयास सराहनीय है। दुनिया में अब तक उत्तर देशों का वर्चस्व रहा है, लेकिन मोदी जी ने दक्षिण देशों को जोड़ने और उन्हें सशक्त करने का काम किया है।' उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी की हालिया यात्रा के दौरान उन्होंने ब्राजील और घाना जैसे कई दक्षिणी देशों का भी दौरा किया और भारतीय प्रवासी समुदाय से मुलाकात की। बड़े आयोजनों में प्रवासी भारतीयों को आमंत्रित किया गया, जिससे उनका जुड़ाव और मजबूत हुआ। भारत-त्रिनिदाद संबंधों में नया अध्याय इस यात्रा के जरिए भारत और त्रिनिदाद के बीच रणनीतिक साझेदारी और गहरी होगी। मोदी की इस यात्रा ने न केवल आर्थिक संबंधों को बढ़ावा दिया है, बल्कि मानवीय सहयोग को भी नई दिशा दी है। कृत्रिम अंग वितरण जैसे सामाजिक कार्यक्रमों से गरीब तबके को तुरंत लाभ मिलेगा और दोनों देशों की जनता के बीच विश्वास और मित्रता और मजबूत होगी। कमला प्रसाद-बिसेसर ने अंत में कहा कि यह सिर्फ एक यात्रा नहीं थी, बल्कि भविष्य की साझा समृद्धि की नींव रखने वाला ऐतिहासिक कदम था, जिसका असर आने वाले वर्षों तक महसूस किया जाएगा। 'पीएम मोदी की त्रिनिदाद और टोबैगो की यात्रा ऐतिहासिक' त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए भारत के प्रति गहरी कृतज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि जुलाई 2025 की शुरूआत में हुई यह यात्रा दोनों देशों के बीच रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले गई और इसका प्रभाव न सिर्फ आर्थिक मोर्चे पर, बल्कि सामाजिक और मानवीय स्तर पर भी गहरा होगा। कमला प्रसाद-बिसेसर ने कहा, 'मैं प्रधानमंत्री मोदी का दिल से धन्यवाद करती हूं। उनके दौरे और हमारे साथ दिखाई गई साझेदारी ने एक ऐतिहासिक क्षण को जन्म दिया। त्रिनिदाद और टोबैगो की जनता इस यात्रा से बेहद प्रभावित हुई। हमारे देश की धरती पर आने वाले वे चौथे भारतीय प्रधानमंत्री हैं।

उनका यह दौरा दोनों देशों की गहरी मित्रता का मजबूत और जीवंत उदाहरण है।' गरीबों के लिए मुफ्त कृत्रिम अंग शिविर त्रिनिदाद की पीएम ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के सबसे बड़े परिणामों में से एक पांच-दिवसीय कृत्रिम अंग फिटिंग शिविर है। इस शिविर में मुफ्त कृत्रिम अंग दिए जाएंगे, जिससे समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इस पहल में जयपुर फुट यूएसए की बड़ी भूमिका रही है। न्यूयॉर्क में जयपुर फुट यूएसए और ब्रुहुद न्यूयॉर्क सीनियर्स की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में कमला प्रसाद-बिसेसर ने प्रेम भंडारी की सराहना करते हुए कहा, 'मैं उन्हें (प्रेम भंडारी) इस पहल के लिए बहुत धन्यवाद देती हूं। उन्होंने इस मानवीय सेवा के दायरे को और बढ़ाया है। यह एक महत्वपूर्ण मानवीय कदम है जो हजारों लोगों की जिंदगी बदल देगा।'

अमेरिका ने गाजा में शांति के लिए खींचा खाका; इस्राइल हटेगा, हमास को छोड़ने होंगे हथियार

वॉशिंगटन , यह प्रस्ताव गाजा में युद्ध खत्म करने का रोडमैप है। पहली बार ट्रंप प्रशासन ने फलस्तीनी राज्य की संभावना को स्वीकार किया है। इसमें एक तरफ जहां इस्राइल गाजा से पीछे हटेगा और हमास को हथियार छोड़ने के साथ राजनीतिक सत्ता से बाहर करने की कोशिश होगी। गाजा में चल रहे युद्ध को खत्म करने और भविष्य में फलस्तीनी राज्य का रास्ता बनाने के लिए अमेरिका ने 21 सूत्रीय शांति प्रस्ताव पेश किया है। इस योजना के तहत इस्राइल को गाजा से अपनी सेना हटानी होगी और हमास को पूरी तरह से निरस्त्र होना पड़ेगा। इसके साथ ही सभी बंधकों की रिहाई, गाजा के पुनर्निर्माण और वहां के निवासियों को विस्थापित न करने जैसी अहम बातें शामिल हैं। यूएनजीए में अमेरिका ने साझा किया दस्तावेज यह दस्तावेज अमेरिका ने इस हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के सत्र के दौरान कुछ अरब और मुस्लिम देशों के साथ साझा किया। इस योजना को खास बनाने वाली बात यह है कि इसमें गाजा के लोगों को वहीं रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। यह अमेरिकी नीति में बड़ा बदलाव है क्योंकि फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका गाजा को अपने नियंत्रण में लेकर वहां के करीब 20 लाख लोगों को स्थायी रूप से कहीं और बसाएगा। ट्रंप की योजना में फलस्तीनी राज्य का जिक्र इसके अलावा, योजना में भविष्य के फलस्तीनी राज्य का जिक्र भी है, जबकि ट्रंप प्रशासन ने अब तक दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन नहीं किया था। इस प्रस्ताव में इस्राइल के लिए भी कई फायदे हैं, जैसे हमास का पूरी तरह से निरस्त्रीकरण, गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र में बदलना और वहां के लोगों को चरमपंथी विचारधारा से दूर करने की प्रक्रिया शुरू करना। नेतन्याहू ने जताया कड़ा विरोध उधर, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उन्होंने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, '7 अक्तूबर के हमले के बाद येरुशलम से एक मील दूर फलस्तीनी राज्य बनाना वैसा ही है जैसे 9/11 के बाद न्यूयॉर्क से एक मील दूर अल-कायदा का राज्य बना देना। यह पूरी तरह पागलपन है, और हम इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।' ट्रंप की उम्मीदें बरकरार इस विरोध के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे लेकर आशा जताई। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि, 'पिछले चार दिनों से गहन वार्ताएं चल रही हैं और तब तक जारी रहेंगी जब तक कोई ठोस समझौता नहीं हो जाता। सभी क्षेत्रीय देश इस प्रक्रिया में शामिल हैं। हमास भी बातचीत से पूरी तरह वाकिफ है और इस्राइल को भी हर स्तर पर जानकारी दी गई है।' क्या है ट्रंप का 21 सूत्रीय शांति प्रस्ताव? गाजा को आतंक मुक्त क्षेत्र बनाया जाएगा, ताकि वह पड़ोसी देशों के लिए कोई खतरा न बने। गाजा का पुनर्निर्माण और विकास कार्य शुरू होगा, जिससे वहां के लोग का जीवन बेहतर हो।\ जैसे ही दोनों पक्ष इस योजना को स्वीकार करेंगे, इस्राइल तुरंत सैन्य अभियान रोक देगा और चरणबद्ध तरीके से गाजा से सेना हटाएगा। इस्राइल के सार्वजनिक रूप से योजना स्वीकार करने के 48 घंटे के भीतर सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा। बंधकों की रिहाई के बाद इस्राइल सैकड़ों फलस्तीनी कैदियों, 1000 से अधिक हिरासत में लिए गए गाजावासियों और फलस्तीनियों के शवों को लौटाएगा। जो हमास सदस्य शांतिपूर्वक साथ रहने की शपथ लेंगे, उन्हें माफी दी जाएगी। जो बाहर जाना चाहेंगे, उन्हें सुरक्षित रास्ता और किसी इच्छुक देश में बसने की सुविधा मिलेगी। समझौते के बाद मानवीय सहायता गाजा में बड़े पैमाने पर भेजी जाएगी। रोजाना कम से कम 600 ट्रक राहत सामग्री पहुंचेंगे। सहायता सामग्री का वितरण संयुक्त राष्ट्र और रेड क्रिसेंट जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों की तरफ से किया जाएगा। गाजा का प्रशासन फलस्तीनी तकनीकी विशेषज्ञों के हाथों में होगा, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय समिति की निगरानी में चलाया जाएगा। गाजा के लिए एक आर्थिक पुनर्निर्माण योजना बनाई जाएगी, जिससे निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हों। गाजा में विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित होगा, जहां करों में छूट और व्यापारिक सुविधाएं दी जाएंगी। किसी भी निवासी को गाजा छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। जो बाहर जाएंगे, उन्हें वापस लौटने का अधिकार होगा। गाजा की शासन व्यवस्था में हमास को कोई भूमिका नहीं मिलेगी और सभी आतंकी सुरंगें व सैन्य ढांचे नष्ट किए जाएंगे। क्षेत्रीय देश यह सुनिश्चित करेंगे कि हमास और अन्य समूह समझौते का पालन करें। अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की मदद से अस्थायी सुरक्षा बल गाजा में तैनात होंगे। ये सुरक्षा और स्थानीय पुलिस को प्रशिक्षण देंगे। इस्राइल न तो गाजा का विलय करेगा और न ही स्थायी कब्जा। अगर हमास प्रस्ताव को मानने में देरी करता है, तो पहले आतंक-मुक्त क्षेत्रों में यह योजना लागू होगी। इस्राइल कतार पर हमला नहीं करेगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय गाजा संकट में कतार की मध्यस्थता की भूमिका को मान्यता देगा। गाजा के लोगों को चरमपंथ से दूर करने के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम चलाए जाएंगे। जब गाजा का पुनर्निर्माण और फलस्तीनी प्राधिकरण का सुधार कार्यक्रम पूरा हो जाएगा, तब भविष्य में फलस्तीनी राज्य का रास्ता खुल सकता है। अमेरिका, इस्राइल और फलस्तीन के बीच लंबे समय तक के राजनीतिक समाधान पर बातचीत को आगे बढ़ाएगा।

'उसने मुझे आइलैंड बुलाने की कोशिश की, लेकिन मैंने मना कर दिया..', एपस्टीन के साथ नाम जुड़ने पर बोले मस्क

वॉशिंगटन ,: अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने दावा किया कि कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उन्हें अपने वर्जिन आइलैंड बुलाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। यह बयान उस वक्त आया है जब मस्क का नाम विवादित 'एपस्टीन फाइल्स' में सामने आया, जिसमें बिल गेट्स और स्टीव बैनन जैसे हाई-प्रोफाइल नाम भी शामिल हैं। मस्क ने इन दावों को झूठा बताया। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क ने रविवार को कहा कि कुख्यात यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन ने उन्हें अमेरिका के वर्जिन आइलैंड बुलाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया था। यह वही आइलैंड हैं, जहां कई महिलाओं ने एपस्टीन पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। मस्क की यह टिप्पणी उस समय आई है, जब उनका नाम विवादित 'एपस्टीन फाइल्स' में सामने आया है। इस दस्तावेज में पहले बिल गेट्स और स्टीव बैनन जैसे कई हाई-प्रोफाइल लोगों के नाम भी सामने आ चुके हैं। एपस्टीन फाइल्स में नाम सामने आने पर मस्क ने क्या कहा? मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एपस्टीन ने मुझे अपने आइलैंड आने के लिए बुलाया था और मैंने मना कर दिया। इसके बावजूद उन्होंने मेरा नाम उस प्रिंस एंड्रयू से पहले लिया, जो सच में वहां भाग गया था। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग यह झूठी कहानी फैला रहे हैं, वे पूरी तरह से नफरत के लायक हैं। दस्तावेज में मस्क की संभावित आइलैंड यात्रा का जिक्र डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने शनिवार को एपस्टीन से जुड़ी छह पन्नों की नई फाइल सार्वजनिक की। इसमें छह दिसंबर 2-14 को एलन मस्क की एपस्टीन के आइलैंड की संभावित यात्रा का जिक्र है। दस्तावेजों में एक शेड्यूल में मस्क के नाम के पास लिखा था-क्या यह अब भी हो रहा है? हालांकि इससे यह स्पष्ट नहीं होता है कि मस्क ने वास्तव में यात्रा की थी या नहीं। मस्क ने इसका खंडन करते हुए कहा, यह गलत है। 'मस्क और बैनन के साथ थी नाश्ते की योजना' इसी दस्तावेज में यह भी बताया गया है कि 16 फरवरी 2019 को मस्क और स्टीव बैनन के साथ नाश्ते की योजना थी। इसके अलावा, पांच दिसंबर 2014 को बिल गेट्स के साथ भी एक संभावित मुलाकात का जिक्र है। डेमोक्रेट्स ने की फाइल सार्वजनिक करने की मांग डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने न्याय विभाग से मांग की है कि एपस्टीन से जुड़ी सारी फाइल सार्वजनिक की जाएं। यह वहीं फाइल हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन अब तक छिपा रहा था। ट्रंप की टीम का कहना है कि ऐसी कोई 'ग्राहक सूची' (क्लाइंट लिस्ट) नहीं है। जबकि लंबे समय से ऐसी बातें कही जा रही हैं कि एपस्टीन ने कई ताकतवर नेताओं को ब्लैकमेल किया, जिनमें डेमोक्रेट्स भी शामिल थे। एलन मस्क ने ट्रंप प्रशासन की आलोचना तब से शुरू की, जब एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप ने 2003 में एपस्टीन को जन्मदिन की बधाई दी थी।

जयशंकर ने यूएन प्रमुख गुटेरेस समेत कई वैश्विक नेताओं से की मुलाकात, भू-राजनीतिक स्थिति और सहयोग पर चर्चा

न्यूयॉर्क , विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूएनजीए के 80वें सत्र के इतर कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात कर भू-राजनीतिक मुद्दों और सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने अल्जीरिया, सऊदी अरब और यूएन महासचिव सहित कई नेताओं से द्विपक्षीय बातचीत की और भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। इनमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी शामिल हैं।

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।